विदेश मंत्रालय से अभी दो दर्जन देशों की तरफ से बात की जा रही है कि उनके राष्ट्र प्रमुखों या विदेश मंत्रियों की यात्रा की तिथि तय की जाए। यूक्रेन-रूस विवाद की वजह से भारत सरकार काफी सोच विचार कर इन प्रस्तावों को आगे बढ़ा रही है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 105 दिनांक: 30-03-2022 बुधवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

सरकार की नीतियों के खिलाफ देशव्यापी बंद के दूसरे दिन मंगलवार को देश के कई राज्यों में मिला जुला असर देखा गया।

भारत से संपर्क साधने में जुटा कूटनीतिक खेमा

रूस व ब्रिटेन के विदेश मंत्रियों के अलावा अमेरिका के डिप्टी एनएसए भी आएंगे इंडिया

नई दिल्ली। नई दिल्ली के कूटनीतिक गलियारे में जिस तरह की हलचल अभी देखी जा रही है वैसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी गई। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद जिस तरह से भारत को प्रभावित करने में वैश्विक मंच का हर खेमा जुटा हुआ है उसकी बानगी अगले कुछ दिनों के दौरान और देखने को मिलेगी। एक तरफ ब्रिटेन और रूस के विदेश मंत्री भारत की यात्रा पर पहुंच रहे हैं तो दूसरी तरफ रूस के खिलाफ अमेरिका की नीति बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले भारतवंशी डिप्टी एनएसए दिलीप सिंह भी यहां आ रहे हैं। यह हफ्ते भर में अमेरिका के किसी वरिष्ठ अधिकारी की दूसरी भारत यात्रा होगी।

इसी के साथ यूरोपीय देशों के संगठन यूरोपीय आयोग की प्रेसिडेंट उर्सूला लेयेन की भारत यात्रा की भी तैयारियां शुरु हैं। मैक्सिको के विदेश मंत्री मार्सेलो एबरार्ड भी बुधवार को नई दिल्ली की दो दिवसीय यात्रा पर होंगे। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देऊबा भी 01 से 03 अप्रैल तक भारत के दौरे पर होंगे। आना तो इजरायल के पीएम नेफ्ताली बेनेट को भी था लेकिन कोरोना की चपेट में आने से उनकी और इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गांत्ज की यात्रा टल गई है। दोनो देश संपर्क में हैं और बहुत जल्द ही इन दोनो की यात्रा की अगली तिथि तय होगी। विदेश मंत्रालय से अभी दो दर्जन देशों की तरफ से बात की जा रही है कि उनके राष्ट्र प्रमुखों या विदेश मंत्रियों की यात्रा की तिथि तय की जाए। यूक्रेन-रूस विवाद की वजह से भारत सरकार काफी सोच विचार कर इन प्रस्तावों को आगे बढ़ा रही है।

अमेरिका के डिप्टी एनएसए दिलीप सिंह की यात्रा को दो वजहों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एक तो यूक्रेन रूस विवाद पर भारत को अपने विचार से अवगत कराना और दूसरा, अगले महीने दोनो देशों के विदेश व रक्षा मंत्रियों की टू प्लस टू वार्ता की तैयारियों को आगे बढ़ाना। यह कोई छिपी बात नहीं है कि यूक्रेन विवाद पर भारत ने रूस को लेकर जो स्टैंड लिया है उससे अमेरिका खुश नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति भारत की नीति को अस्थिर करार दे चुके हैं। दिलीप सिंह को जो बाइडन प्रशासन की रूस नीति के प्रमुख रणनीतिकार के तौर पर जाना जाता है। इस लिहाज से उनका आने की खास अहमियत हो जाती है।

यह भी बता दें कि 31 मार्च, 2022 को ब्रिटेन की विदेश सचिव एलिजाबेथ ट्रूस और 01 अप्रैल, 2022 को रूस के विदेश मंत्री लावरोव भी आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंच रहे हैं। इन तीनों अधिकारियों की यात्रा के दौरान निश्चित तौर पर तमाम द्विपक्षीय मुद्दों पर बात होगी लेकिन वार्ता के केंद्र में यूक्रेन-रूस युद्ध से उपजे हालात ही होंगे।

पुतिन-जेलेंस्की में हो सकती है मुलाकात, वार्ता के बाद नरम पड़े रूस के तेवर

इस्तांबुल (ईएमएस)। तुर्की के इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के बीच मंगलवार को शांति वार्ता करीब 3 घंटे चली। बैठक के बाद रूस के मुख्य वार्ताकार मेडिंस्की ने सकारात्मक बयान दिया। मेडिंस्की ने बताया कि रूस ने यूक्रेन के बीच कीव और चेर्निगोव में हमले कम करने का फैसला लिया है। वहीं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की मुलाकात हो सकती है। इससे पहले दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत होगी।

उधर, मंगलवार को डेनमार्क की संसद को जेलेंस्की ने संबोधित कर कहा कि मारियोपोल में रूस का हमला युद्ध अपराध है। मानवता के खिलाफ रूस ने अपराध किया है। यूक्रेन ने सुरक्षा की गारंटी मांगकर अंतर्राष्ट्रीय समझौते की अपील की है।

भारत बंद का दूसरा दिनः कुछ राज्यों में मिला-जुला असर, सड़कों पर जारी है विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली । सरकार की नीतियों के खिलाफ देशव्यापी बंद के दूसरे व अंतिम दिन मंगलवार को देश के कई राज्यों में मिला जुला असर देखा गया। यह बंद सरकार की नीतियों के खिलाफ सेंट्रल ट्रेड यूनियन ने बुलाई है। कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल समेत अनेक राज्यों में ट्रेड यूनियन के लोग सड़कों पर उतर विरोध कर रहे हैं। साथ ही दुकानों को भी बंद रखा गया है।

दो दिवसीय देशव्यापी बंद का मंगलवार को दूसरा दिन है। देश के कुछ हिस्सों में सामान्य जनजीवन पर इस बंद का असर देखने को मिल रहा है। प्रेट्र के अनुसार कुछ राज्यों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट और बैंकिंग सर्विस प्रभावित है। सिक्किम व अरुणाचल प्रदेश में यूनियन के लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (ध्ठ्ळ्ण) के जनरल सेक्रेटरी अमरजीत कौर ने प्रेट्र को बताया, ' अधिकांश सेक्टर के वर्करों ने इस बंद में हिस्सा लिया है। हमें ग्रामीण इलाकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। सोमवार को 20 करोड़ से अधिक लोगों ने इसमें साथ दिया दूसरे दिन संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।'

एएनआइ के अनुसार तमिलनाडु में अ्श्ख की अगुवाई वाली ट्रेड यूनियन लेबर प्रोग्रेसिव फेडरेशन (थ्झ्इ) समेत विभिन्न ट्रेड यूनियनों ने हिस्सा लिया। चेन्नई में यूनियन के सदस्य सड़कों पर उतर आए। तिरुअनंतपुरम में भी दुकानें बंद हैं। कर्नाटक के कलबुर्गी में सेंटर आफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (ण्घ्ऊळ) व अन्य वाम संगठन सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार की नीतियों के खिलाफ देशव्यापी बंद के दूसरे दिन मंगलवार को देश के कई राज्यों में मिला जुला असर देखा गया। कर्नाटक तमिलनाडु व केरल समेत अनेक राज्यों में ट्रेड यूनियन के लोग सड़कों पर उतर विरोध कर रहे हैं। साथ ही दुकानों को भी बंद रखा गया है।

इस बंद में यूनियन आफ बैंक के कर्मचारी भी हिस्सा ले रहे हैं। बंद के पहले दिन सोमवार को कुछ बैंक की शाखाओं में अव्यवस्था रही और पश्चिम बंगाल, केरल व तमिलनाडु जैसे राज्यों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाएं भी बाधित हुईं। हालांकि आवश्यक सेवाएं जैसे हेल्थकेयर, इलेक्ट्रिसिटी और ईंधन की सप्लाई पर कोई असर नहीं हुआ। आफिस व शिक्षण संस्थानों पर भी बंद का असर नहीं दिखा।

5 अप्रैल को बिहार, बंगाल, झारखंड, असम में नक्सली बंद का ऐलान

-अरुण कुमार भट्टाचार्य ऊर्फ कंचन दा ऊर्फ कबीर की गिरफ्तारी का विरोध

-ऐलान को लेकर झारखंड सहित चारों राज्यों की पुलिस अलर्ट पर

रांची(ईएमएस)। नक्सली संगठन भाकपा माओवादी ने आगामी 5 अप्रैल को चार राज्यों बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम बंद का ऐलान किया है। नक्सली संगठन की सेंट्रल कमेटी ने इसे लेकर बकायदा पब्लिक नोटिस जारी किया है। इस बंद का आह्वान भाकपा माओवादियों की सेंट्रल कमेटी और पूर्वी रिजनल ब्यूरो के मेंबर अरुण कुमार भट्टाचार्य ऊर्फ कंचन दा ऊर्फ कबीर की गिरफ्तारी के विरोध में किया गया है। नक्सलियों के इस ऐलान को लेकर झारखंड सहित चारों राज्यों की पुलिस अलर्ट हो गई है।

झारखंड पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में सभी जिलों के एसपी को सूचित करते हुए एहतियाती तौर पर गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया है। अरुण कुमार भट्टाचार्य को पिछले महीने असम में गिरफ्तार किया गया था। उसे माओवादियों की मौजूदा सेंट्रल कमेटी का थिंक टैंक माना जाता है। भाकपा माओवादियों के प्रवक्ता अभय और संकेत की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि कंचन दा के साथ पुलिस अमानवीय व्यवहार कर रही है। बीमार होने के बावजूद उनका समुचित इलाज नहीं कराया जा रहा है। इस पत्र में भट्टाचार्य की रिहाई की मांग की गई है।

अरुण कुमार भट्टाचार्य पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के शिवपुर, शालीमार रोड का रहने वाला है। वह पिछले पंद्रह वर्षों से माओवादियों की शीर्ष कमेटी में शामिल रहा है। असम और नार्थ ईस्ट रीजन के प्रभारी के रूप में वह झारखंड, बिहार बंगाल औरअसम में सक्रिय रहा है। हाल में झारखंड में गिरफ्तार किये गये बड़े नक्सलियों से पूछताछ में उसके बारे में पुलिस ने जो जानकारी जुटाई है, उसके मुताबिक उसने संगठन की ओर से अंजाम दिये गये कई हिंसक वारदातों की रणनीति बनाई थी। पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमले की योजनाओं में भी उसका हाथ रहा है।

कर्नाटकः हिंदू मंदिर परिसर में मुस्लिमों की दुकानें बंद कराने पर भड़के भाजपा नेता

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हिंदू मंदिरों के उत्सवों में मुस्लिम दुकानदारों के हिस्सेदारी पर पाबंदी को लेकर भाजपा के एमएलए और एमएलसी ने ही अपनी ही सरकार के खिलाफ असंतोष जताया है। उन्होंने इसे गलत, अलोकतांत्रिक और पागलपन कहते हुए कहा कि ये सब हिंदुत्व समर्थक समूहों के इशारों पर हो रहा है।

गौरतलब है कि राज्य में हाल ही में कुछ हिंदुत्व समर्थक समूहों जैसे वीएचपी, हिन्दू जागरण वैदिक, बजरंग दल और श्री राम सेना की मांग के बाद उडुपी और शिवमोग्गा में कुछ मंदिरों के मुस्लिम व्यापारियों को त्योहारों में भाग लेने से रोक रही है। इस तरह की मांग अब राज्य के अन्य हिस्सों से भी उठने लगी हैं। वहीं राज्य की भाजपा सरकार का कहना है मंदिरों में मुस्लिम व्यापारियों पर रोक कांग्रेस सरकार के समय 2002 में लागू हुई थी। अपनी सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले में एमएलसी एएच विश्वनाथ और एमएलए अनिल बेनाके का नाम शामिल है।

विश्वनाथ ने अपने गृह जिले मैसूर में कहा कि 'यह पागलपन है। कोई भी भगवान और धर्म हमें यह नहीं सिखाता है। इस मामले में राज्य सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। मुझे नहीं पता कि सरकार इस मुद्दे पर चुप क्यों है?' आगे उन्होंने कहा कि ये तो पागलपन है। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि वे किस आधार पर मुस्लिम विक्रेताओं और व्यवसायों को निशाना बना रहे हैं। यह अत्यंत खेदजनक स्थिति है। यह लोगों की प्रतिक्रिया है कि सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए।

विश्वनाथ कांग्रेस की पूर्व सरकार में मंत्री रह चुके है। इससे पहले वे जेडी(एस) में राज्य अध्यक्ष का पद भी संभाल चुके हैं। 2019 में उन्होंने राज्य में भाजपा सरकार बनाने में मदद की थी।

अनिल बेनाके मुस्लिम बहुल बेलगावी उत्तर विधानसभा से विधायक है उन्होंने भी मुस्लिम व्यापारियों पर रोक का विरोध किया है। इस बारे में बात करते हुए कहा कि मंदिर उत्सवों के दौरान प्रतिबंध लगाने का कोई सवाल ही नहीं है। अगर लोग प्रतिबंध लगाते हैं, तो हम कुछ नहीं कर सकते। हालांकि, हम तरह की चीजों को होने नहीं देंगे। यह कहना गलत है कि लोगों को हिन्दू दुकानों में ही खरीदारी करनी चाहिए न कि अन्य दुकानों में। संविधान के तहत सभी को समान अधिकार हैं। कोई भी कहीं भी व्यापार कर सकता है और लोगों को यह तय करना होगा कि वे कहां से खरीदना चाहते हैं, बस। हम प्रतिबंध नहीं लगाएंगे।

मुस्लिम व्यपारियों की दुकानों को अलग-थलग करने की कोशिश कर्नाटक में पहली बार हो रही है - कुमारस्वामी

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में बढ़ती साम्प्रदायिकता पर पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि मंदिर परिसर से अल्पसंख्यको की दुकानों को हटाने की मांग के बाद हलाल मीट के त्योहारों में बहिष्कार और अब मुस्लिम व्यापारियों की दुकानों को अलग-थलग करने की कोशिश, ये सब कर्नाटक में पहली बार हो रहा है। माहौल बिगड़ रहा है। सरकार के कुछ मंत्री इसे शह दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ख़ामोश हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री एक विशेष संगठन की कठपुतली हैं। उनके इशारे पर नाच रहे हैं। वो जो कहते हैं, ये कर रहे हैं। सरकार ने क्या फैसला लिया है। सरकार ने ऐसे मामलों के बारे में कोई फैसला नहीं किया है।

वहीं बीजेपी एमएलसी एच विश्वनाथ के बाद अब राजस्व मंत्री आर अशोक और बेलगावी से बीजेपी विधायक अनिल बेनेके भी मुस्लिम और ईसाईयों की दुकानों के बहिष्कार के विरोध में खड़े नज़र आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो हो रहा है, वह ठीक नहीं हो रहा। हर व्यक्ति को अपने हिसाब से व्यापार करने का अधिकार है। मुसलमानों के व्यापार करने से मुझे कोई तकलीफ नहीं है। हम लोग एक समाज में रहते हैं और उसमें ऐसी चीज नहीं होनी चाहिए।

असम और मेघालय के बीच ऐतिहासिक करार, शाह की मौजूदगी में हुआ समझौता

नई दिल्ली (ईएमएस)। असम और मेघालय के बीच 50 साल से चल रहा सीमा विवाद सुलझता दिख रहा है। दोनों राज्यों के बीच ऐतिहासिक करार हुआ है। दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में मंगलवार को दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री ने समझौते पर सहमति व्यक्त की है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, सांसद दिलीप सेकिया और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनार्ड संगमा ने गृहमंत्री शाह से मुलाकात की। इस दौरान सीमा विवाद का हल निकालने के लिए एक करार किया गया।

इस दौरान गृहमंत्री शाह ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच 70 प्रतिशत सीमा आज विवाद से मुक्त हो गई है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री ने बताया कि आगे का विवाद ही हम बातचीत के जरिए सुलझा लेने वाले हैं। आज बहुत बड़ा काम हुआ है। शाह ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री और उनकी टीम को पीएम मोदी और भारत सरकार की तरफ से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि विकसित नॉर्थ ईस्ट का जो सपना पीएम मोदी ने देखा है, वह जल्द ही साकार होगा। शाह ने बताया कि अब तक लगभग 4 हजार 800 से ज्यादा हथियार कानूनी अथॉरिटी के सामने सरेंडर किए गए हैं।

नेहरू संग्रहालय का भी बदला नाम अब पीएम म्यूजियम के तौर पर होगी पहचान

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने नेहरू संग्रहालय का नाम बदलने का फैसला किया है। अब इसे पीएम म्यूजियम के नाम से जाना जाएगा। यहां देश के सभी 14 पूर्व प्रधानमंत्रियों की यादों को सहेजा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंबेडकर जयंती यानी 14 अप्रैल को इसका उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के सांसदों से कहा कि एनडीए सरकार ने 14 पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान को स्वीकार करने के लिए यह कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री संग्रहालय में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के कार्यों को दिखाया गया है। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने सुनिश्चित किया है कि सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान को मान्यता मिले।

पीएम मोदी ने बीजेपी सांसदों से कहा है कि केवल एनडीए सरकार ने पिछले प्रधानमंत्रियों के योगदान को मान्यता देने के लिए कदम उठाए हैं। पीएम मोदी ने बीजेपी सांसदों से बीआर अंबेडकर म्यूजियम जाने को भी कहा। बीआर अंबेडकर की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में 14 अप्रैल को बीआर अंबेडकर संग्रहालय का भी उद्घाटन किया जाना है।

सरिस्का टाइगर रिजर्व में फैली आग से खतरे में पड़े बाघ व अन्य वन्यजीव, सेना के हेलीकाप्टरों से हो रहा पानी का छिड़काव

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व में लगी आग 20 किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्रफल में फैल गई है। आग पर काबू पाने के लिए सेना के दो हेलीकाप्टारों से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। सिसीसेढ़ झील से लेकर ट्रेक्टर-ट्रोली से पानी जंगल में डाला जा रहा है। हेलीकाप्टर के एक दर्जन फेरे अब तक लगाए जा चुके थे। इसके साथ ही वन विभाग के करीब 250 कर्मचारी अन्य संसाधनों से आग बुझाने में जुटे हैं। आग जंगल के जिस हिस्से में तेजी से फैली है वहां कई बाघ रह रहे हैं। वर्तमान में सरिस्का में कुल 25 बाघ हैं।

सरिस्का वन क्षेत्र के आसपास बसे चार गांवों के कुछ हिस्सों को खाली करवाया गया है। सरिस्का के वन अधिकारी सुदर्शन शर्मा का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण ट्रेक्टर-ट्राली और कर्मचारियों को चढ़ने में परेशानी हो रही है। पहाड़ी इलाके में हेलीकाप्टर से ही पानी का छिड़काव किया जा रहा है। आगे से करीब 160 हेक्टेयर जंगल अब तक जल चुका है। आग पर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। आग वाले हिस्से में 500 से 1000 मीटर दूर तक फायर लाइन बनाई गई है। उन्होंने बताया कि सरिस्का के अकबरपुर रेंज में जहां आग लगी है वहां बाघों की नर्सरी है। यही सबसे ज्यादा खतरा है। यहां बाघिन एसटी-17 और उसके दो शावक, एसटी-20 और एसटी-14 का क्षेत्र है। बाघों के अतिरिक्त तेंदुए और अन्य वन्यजीव भी इस क्षेत्र में रहते हैं।

सरिस्का के नायब तहसीलदार खेमचन्द सैनी ने बताया कि रविवार शाम का रिजर्व के बालेटा पृथ्वीपुरा नाका स्थित पहाड़ियों में आग लगी थी, जिस पर देर रात तक काफी हद तक काबू पा लिया गया था। उसके बाद सोमवार को फिर आग फैली। आग का फैलाव रिजर्व के नारंडी, रोटक्याला, बहेड़ी और अकबरपुर तक हो गया है। सैनी ने बताया कि आग लगने से वन एवं वनस्पति, घास, झाडियां, बांस और धोक वृक्ष प्रजातियों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि अब यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता कि कितना नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं लग सका है।

रिजर्व में तेजी से फैल रही आग के कारण जंगली जानवरों के आबादी क्षेत्र में आने की आशंका बढ़ी है। कुछ छोटे वन्यजीव सोमवार को आबादी क्षेत्र की तरफ नजर भी आए थे। स्थानीय प्रशासन की तरफ से लोगों को माइक के माध्यम से जंगली जानवरों से सावधान रहने के लिए सचेत किया जा रहा है। वन अधिकारियों ने बताया कि जंगल में आग को फायर ब्रिगेड से नहीं बुझाया जा सकता है। पहाड़ पर उबड़-खाबड़ रास्ते हैं। ऐसे में फायर लाइन की मदद से ही आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत एक रेखा खींची जाती है, जिसमें से ज्वलनशील घास, टहनियां, सूखे पत्ते आदि हटा दिए गए। गीली टहनियां, हरी पत्तियां आदि उस स्थान पर रखे गए, जिससे आग फैलने से रोकी जा सके।

नारायण राणे को बड़ी राहत, महाराष्ट्र सरकार ने बंगला गिराने का आदेश लिया वापस

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र सरकार ने बंबई उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उसने जुहू इलाके में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बंगले के कुछ हिस्से को गिराने संबंधी आदेश को वापस ले लिया है। तटीय क्षेत्र प्रबंधन समिति के उप-मंडल अधिकारी ने यह आदेश जारी किया था।

राज्य सरकार ने न्यायमूर्ति अमजद सईद और न्यायमूर्ति अभय आहूजा की पीठ को बताया कि उसने 21 मार्च का आदेश वापस ले लिया है और अधिकारी कोई कार्रवाई करने से पहले राणे के बंगले में कथित अनियमितताओं को नियमित करने के आवेदन पर विचार करने वाले हैं। पीठ ने राज्य की दलील स्वीकार कर इस मुद्दे पर ''कानून के अनुसार'' कोई भी नई आवश्यक कार्रवाई करने की स्वतंत्रता दी। राणे ने इस महीने की शुरुआत में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें उन्हें जारी नोटिस (25 फरवरी, चार और 16 मार्च) को रद्द करने का अनुरोध किया था।

यादवी कुनबे में दरार, अखिलेश की बैठक में नहीं पहुंचे शिवपाल

लखनऊ (ईएमएस)। यादवी कुनबे में दरार उभर आई है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश ने मंगलवार को अपने सहयोगी दलों के नेताओं को बैठक के लिए बुलाया था, बैठक के लिए चाचा शिवपाल यादव को भी निमंत्रण था लेकिन वे नहीं पहुंचे। शिवपाल के साथ ही इस बैठक में सपा गठबंधन के अहम सदस्य ओपी राजभर और पल्लवी पटेल को भी आमंत्रित किया गया था।दरअसल, शनिवार को सपा विधायकों की बैठक शिवपाल को नहीं बुलाया गया था जिसको लेकर वे अब तक नाराज़ हैं। शनिवार की बैठक में न बुलाए जाने को लेकर अपनी नाराजगी जताते हुए मुलायम यादव के छोटे भाई शिवपाल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा था,'मुझे बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं है, मैंने सपा के नेताओं से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।'' इस बैठक में अखिलेश यादव को सर्वसम्मति से नेता चुना गया था।

मंगलवार की बैठक के लिए शिवपाल यादव को न्यौता भेजा गया था। जसवंत नगर सीट से विधायक शिवपाल ने कहा था, 'मैंने हमेशा कहा है कि मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, मैं उसके अनुसार काम करूंगा लेकिन मुझे विधायक दल की बैठक के लिए नहीं बुलाया गया था, हालांकि मैं सपा का विधायक हूं।' शिवपाल ने कहा था कि उन्होंने 'साइकिल' के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा था और यहां तक कि करहल और कई अन्य जगहों पर पार्टी के लिए प्रचार भी किया। उन्होंने कहा था, 'मुझे नहीं पता कि सपा के विधायक दल की बैठक के बारे में उन्हे सूचित क्यों नहीं किया गया।' गौरतलब है कि शिवपाल ने यूपी विधानसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था। उन्होंने इस बार सपा के चुनाव चिह्न पर ही चुनाव लड़ा। बता दें, कई मौकों पर अखिलेश यादव के साथ मतभेद सामने आने के बाद शिवपाल यादव ने वर्ष 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले अपनी पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) बनाई थी।

भारतीय नौसेना के दूसरे P-8I एयरक्राफ्ट स्क्वॉड्रन को नौसेना में शामिल किया गया

पणजी (ईएमएस)। भारतीय नौसेना के दूसरे झ-8घ् एयरक्राफ्ट स्क्वॉड्रन को मंगलवार को समारोहपूर्वक नौसेना में शामिल किया गया। रक्षा मंत्रालय की ओर से एक बयान में बताया गया है कि इंडियन नेवल एयर स्क्वॉड्रन 316 के लिए समारोह गोवा में घ्ए हंसा में आयोजित किया गया जिसमें नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरिकुमार बतौर विशेष अतिथि शामिल हुए। घ्र्ीए 316 को ण्दह्द नाम दिया गया है। भारतीय नौसेना हवाई स्क्वाड्रन (घ्र्ीए) 316 बोइंग पी-8आई का संचालन करेगी, जो लंबी दूरी के बहुआयामी समुद्री टोही और पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान है, इसे हवा से जहाज में मार करने वाली मिसाइलों और टॉरपीडो की श्रंखला से लैस किया जा सकता है। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना की निगरानी क्षमता में इजाफा होगा।

अधिकारियों के अनुसार, नई टुकड़ी का गठन हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के बढ़ते दखल को लेकर जारी चिंताओं के मद्देनजर किया जा रहा है।'गेम चेंजर' माना जाने वाला यह विमान, समुद्री निगरानी और हमले (ट्टग्व), खोज और बचाव के लिहाज से अहम है। यह वेपन प्लेटफॉर्म को टारगेट डेटा प्रदान करता है और समय-समय पर अहम जानकारी प्रदान करता है।

इस मौके पर एडमिरल हरिकुमार ने कहा, 'हिंद महासागर क्षेत्र में भारत एक पसंदीदा सुरक्षा भागीदार है जो इस क्षेत्र में प्रभावी रणनीतिक भूमिका अदा करने की हमारी क्षमता और इसके अभियान में विस्तार लाने की जरूरत को दर्शाता है। ' उन्होंने कहा कि इस प्रतिबद्धता के लिए भारतीय नौसेना की भूमिका बेहद अहम है।

पंजाब में सत्ता गंवाने वाली कांग्रेस में जल्द शुरू होगा बदलावों का दौर

-सिद्धू फिर डाल रहे अध्यक्ष बनने का दबाव, हाईकमान नहीं दे रहा भाव

-नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए रवनीत बिट्टू और चौधरी संतोख सिंह की चर्चा

-पंजाब में कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी टेंशन गुटबाजी को थामने की है

चंडीगढ़(ईएमएस)। पंजाब चुनावों में महज 18 सीटें जीतकर सत्ता गंवाने वाली कांग्रेस में जल्दी ही बदलावों का दौर शुरू होने वाला है। सीएम रहे चरणजीत सिंह चन्नी दोनों सीटों से हार गए थे, जबकि अपने बयानों से चर्चित रहने वाले नवजोत सिंह सिद्धू को खुद अमृतसर पूर्व सीट से हार का सामना करना पड़ा था। नतीजों के बाद सोनिया गांधी ने प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू से इस्तीफा मांग लिया था। सिद्धू ने एक लाइन में यह लिखकर इस्तीफा दिया था कि जैसे सोनिया गांधी चाहती हैं, मैं इस्तीफा दे रहा हूं। माना जा रहा है कि कांग्रेस अब चरणजीत सिंह चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच टकराव के अध्याय का ही पटाक्षेप करना चाहेगी, जिसका खामियाजा हार के तौर पर झेलना पड़ा था।

भले ही राज्य में विधानसभा चुनाव अब 5 साल बाद होंगे, लेकिन कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए परेशान है। सूबे की 13 सीटों पर जीत हासिल करने के लिए पेच कसे जा रहे हैं और नवजोत सिंह सिद्धू के विकल्प की तलाश चल रही है। फिलहाल पंजाब के नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए स्टेट कमिटी की ओर से भेजे गए नामों में सांसद रवनीत बिट्टू और चौधरी संतोख सिंह शामिल हैं। वहीं गिद्दड़बाहा से विधायक अमरिंदर राजा वड़िंग और सुखजिंदर रंधावा भी इस दौड़ में हैं। हालांकि नवजोत सिद्धू दूसरी बार प्रधान पद पद मांग रहे हैं। यहां तक कि पिछले दिनों उन्होंने कांग्रेस के करीब 2 दर्जन नेताओं से मीटिंग कर शक्ति प्रदर्शन की कोशिश की थी। पंजाब की राजनीति में वापस लौटे विधायक प्रताप सिंह बाजवा भी इशारों में दावेदारी ठोक चुके हैं।

पंजाब में कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी टेंशन गुटबाजी को थामने की है। चरणजीत सिंह चन्नी, सिद्धू और बाजवा मिलकर तीन कोण बनाते हैं। इसके अलावा मनीष तिवारी भी अकसर अलग ही सुर में रहते हैं। ऐसे में पार्टी की चिंता यह है कि किसी ऐसे नेता को कमान दी जाए, जिसकी छत्रछाया में पूरी पार्टी एकजुटता से काम करे। कांग्रेस की कोशिश है कि दो साल बाद लोकसभा चुनाव में इसका नुकसान न हो, इसलिए कांग्रेस सांसदों पर फोकस कर रही है। नवजोत सिद्धू की साख भले ही अपनी ही सीट हारने से कमजोर हुई है, लेकिन तेवर बरकरार हैं। कहा जा रहा है कि वह एक बार फिर से प्रदेश अध्यक्ष बनने की मांग हाईकमान से कर रहे हैं। सिद्धू ने हाल ही में पंजाब के 24 नेताओं से मीटिंग की थी। इसमें चुनाव हारे उम्मीदवारों के साथ विधायक सुखपाल खैरा और बलविंदर धालीवाल भी शामिल हुए। सिद्धू खेमे का तर्क है कि चरणजीत चन्नी को सीएम चेहरा बनाते वक्त ही राहुल गांधी को स्पष्ट कर दिया गया था कि हार या जीत के जिम्मेदार सिद्धू नहीं होंगे। इसलिए अब उन्हें पद से हटाना ठीक नहीं होगा।

कार्टून कोना

पाठकों से निवेदन

प्रिय पाठक आपका प्रिय समाचार पत्र जनहितैषी पिछले कई वर्षों से मात्र १रू. के मूल्य पर दिया जा रहा है। किन्तु अब अखबारी कागज, इन्क के दामों में वृद्धि व अन्य खर्चों में बढ़ोत्तरी के चलते अब दि.०१अप्रैल२०२२ से १ रूपया ५० पैसे में प्राप्त होगा आप से निवेदन है पिछले वर्षों की तरह ही आगे भी सहयोग करते रहेंगें।

-सम्पादक

जन हितैषी

निर्यात को बढ़ावा

काफी समय से यह मांग उठती रही है कि अर्थव्यवस्था की मजबूती देने और व्यापारिक घाटा पाटने के लिए निर्यात को बढ़ावा देना चाहिए। यह पहली बार है, जब सरकार के घोषित लक्ष्य को प्राप्त करते हुए चालू वित्त वर्ष में निर्यात चार सौ अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। यह ऐसे समय में संभव हो सका है, जब दुनिया भर में कोविड महामारी के चलते आर्थिक गतिविधियां शिथिल पड़ी हुई थीं और फिर रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बाहर के बाजार पर संकट मंडराना शुरू हो गया। निस्संदेह इस उपलब्धि से सरकार का मनोबल बढ़ा और अर्थव्यवस्था को जल्दी पटरी पर लाने के संकल्प को मजबूती मिली है। मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस उपलब्धि का जिक्र करते हुए देश को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत ने 400 अरब डॉलर के एक्सपोर्ट का लक्ष्य हासिल कर लिया है। इससे भारत की क्षमता का हमें पता चलता है। साफ है कि भारत के सामान की दुनिया में मांग बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने इसे बड़ी उपलब्धि मानते हुए कहा है कि यह आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा। स्वाभाविक ही निर्यात बढ़ने से एमएसएमई यानी सूक्ष्म, छोटे और मझोले उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। एमएसएमई में बेहतरी का अर्थ है, रोजगार के नए अवसर पैदा होना, क्योंकि इस क्षेत्र में सबसे अधिक रोजगार के अवसर हैं। कोरोना महामारी की वजह से हुई पूर्णबंदी ने इस क्षेत्र की बहुत बुरी गत बना दी थी। अब निर्यात बढ़ने से इस क्षेत्र को बल मिलेगा। दुनिया के बाजारों में अभी तक चीन, अमेरिका आदि कुछ देशों का वर्चस्व है। उसे तोड़ना भारत के लिए कठिन बना हुआ था। मगर कोरोना काल में जब दुनिया के बड़े कल-कारखाने बंद हुए तो भारत जैसे देशों को उन बाजारों में पैर पसारने की जगह मिल गई। भारत के जिन क्षेत्रों में निर्यात की दर बढ़ी है, वे पेट्रोलियम उत्पाद, रसायन, रत्न, आभूषण और इंजीनियरिंग हैं। इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर काफी हैं। रत्न के कारोबार में भारत पहले से अग्रणी देशों में शुमार है। इसमें कुटीर उद्योग के रूप में काम करने वाले भी बहुत सारे लोग जुड़े होते हैं। कोविड की वजह से अर्थव्यवस्था में आई मंदी के दौर में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार के नए अवसर पैदा करने की है। बंदी के दौरान लाखों लोगों के रोजगार छिन गए, एमएसएमई के बहुत सारे कल-कारखानों में ताले पड़ गए। उनके पास नए सिरे से कारोबार करने की पूंजी तक नहीं बची, कर्ज का बोझ ऊपर से था। हालांकि आसान शर्तों पर सरकार ने कर्ज की व्यवस्था की थी, पर उद्यमियों की हिम्मत जवाब दे गई थी। इसकी बड़ी वजह थी कि उनके उत्पाद के लिए बाजार नजर नहीं आ रहा था। आयात के मुकाबले निर्यात के बढ़ने की एक बड़ी वजह यह भी है कि सरकार ने घरेलू उत्पाद को बढ़ावा देना शुरू किया है। कई वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है, जिसके चलते बाहर की वस्तुओं की अपेक्षा कीमत और गुणवत्ता में देशी उत्पाद प्रतिस्पर्धा में खड़े हो सके हैं। फिर बाहर के बाजारों में नई जगहें तलाशने में कामयाबी मिली है, यह ज्यादा संतोष की बात है। अभी तक गुणवत्ता और कीमत के स्तर पर भारतीय उत्पाद विदेशी वस्तुओं के सामने प्रतिस्पर्धा में खड़े नहीं हो पा रहे थे। अब उनकी पहुंच बढ़ रही है तो यह इस बात का संकेत है कि बाहर के बाजारों में भारतीय उत्पाद की गुणवत्ता पर वहां के लोगों का भरोसा बढ़ा है। कारोबार में यह उछाल बना रहा, तो बहुत जल्दी इसके सकारात्मक नतीजे नजर आने लगेंगे।

अब अपराध छिपाना मुश्किल

भारत सरकार अपराधियों की पहचान के लिए एक नया कानून बनाना चाहती है। उसने संसद में जो विधेयक पेश किया है, उसके तहत अब पुलिस उन सभी लोगों की पहचान के नए तरीके अपनाएगी, जो या तो गिरफ्तार हुए हैं या जिन्हें सजा हुई है या जो नजरबंद किए गए हैं। ऐसे लोगों की पहचान का पुराना सिलसिला 1920 में बने कानून के तहत अभी तक चल रहा है। 100 साल पुराने इस कानून के मुताबिक उक्त श्रेणियों के लोगों की उंगलियों, हथेलियों और पगथलियों के छापे ले लिये जाते हैं लेकिन अब इस नए कानून के मुताबिक उक्त तीनों के अलावा उनके फोटो, आंख की पुतलियों के चित्र, शारीरिक और जैविक तत्वों, उनके हस्ताक्षर आदि के पहचान-प्रमाण भी पुलिस अपने पास संभालकर रखेगी। ये प्रमाण 75 वर्ष तक रखे जाएंगे। इस विधेयक के संसद में पेश होते ही विपक्षी सांसदों ने इस पर हमला बोल दिया है। उनका कहना है कि इस तरह के पहचान-प्रमाण इकट्ठे करना मानव अधिकारों का हनन है। यह लोगों की गोपनीयता का सरासर उल्लंघन है। ऐसे लोगों की भी गोपनीयता इस कानून से भंग होती रहेगी, जिन्हें फर्जी आरोपों में गिरफ्तार और नजरबंद कर लिया गया होगा। पुलिस तो उन सरकार-विरोधी प्रदर्शनकारियों को पकड़कर उनके सारी निजी और गोपनीय जानकारियां भी इकट्ठी कर लेगी, जिनका अपराध से दूर-दूर का भी कोई संबंध नहीं है। विपक्षी सदस्यों का आरोप था कि यह विधेयक न केवल भारतीय संविधान बल्कि संयुक्तराष्ट्र संघ घोषणा-पत्र का भी उल्लंघन करता है। उन्हें यह इतना आपत्तिजनक लगा कि यह विधेयक पेश किया जाए या नहीं, इस मुद्दे पर भी मतदान करवाना पड़ गया। विधेयक पेश तो हो गया है, लेकिन मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि हमारे नेता लोग अपनी गोपनीयता को इतना ज्यादा महत्व क्यों देते हैं? उनका जीवन और नागरिकों का जीवन खुली किताब की तरह क्यों नहीं होना चाहिए? आप कोई बात या काम छिपाना चाहते हैं, इसका मतलब क्या यह नहीं हुआ कि आप कोई न कोई गलत काम कर रहे हैं? इसके अलावा अब अपराध करने के बहुत-से नए तरीके अपनाए जाने लगे हैं तो उनको पकड़ने के 100 साल पुराने तरीकों से आप क्यों चिपके रहना चाहते हैं? अब ऐसे तरीके पुलिस को क्यों नहीं अपनाना चाहिए, जिनसे अपराधियों की पहचान तुरंत हो सके और उनका जांच से बच निकलना भी मुश्किल हो। इस कानून में एक सराहनीय प्रावधान यह भी है कि यदि किसी ऐसे व्यक्ति के पहचान-प्रमाण पुलिस ने इकट्ठे किए हैं, जिसने पहले कभी कोई अपराध नहीं किया हो और वर्तमान मुकदमे में अदालत ने जिसे निर्दोष पाया हो, उसके सारे पहचान-प्रमाण नष्ट कर दिए जाएंगे। अर्थात इस कानून का मूल उद्देश्य अपराधियों को तुरंत पकड़ना है न कि निर्दोष लोगों की निजता या गोपनीयता भंग करना। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

30 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

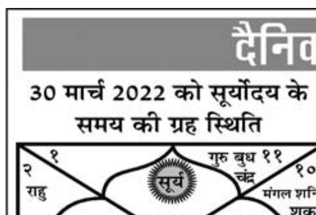

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.44 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	08.24 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.22 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.35 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.51 बजे से
शुक्र	मकर में	कन्या	17.03 बजे से
शनि	मकर में	तुला	19.14 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	21.29 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.45 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मकर	01.50 बजे से
		कुंभ	03.36 बजे से
		मीन	05.09 बजे से

बुधवार 2022 वर्ष का 89 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1944 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 13.20 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 10.49 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 13.01 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.20 बजे तदनन्तर विष्टि 04.48 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 40' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871203 **जूलियन दिन** 2459668.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सावान **तारीख** 26 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रतिवर्ष 70 लाख लोगों की जान ले रहा है वायु प्रदूषण

पर्यावरण चिंतन -

स्विस संगठन 'आईक्यू एयर' द्वारा हाल ही में 2021 की 'वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट' जारी की गई है, जिसमें दुनियाभर के कुल 117 देशों के 6475 शहरों के डेटा का विश्लेषण करने के बाद यह निष्कर्ष सामने आया है कि विश्व का कोई भी शहर ऐसा नहीं है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित किए गए मानकों पर खरा उतरता हो। डब्ल्यूएचओ की यूएन एनवायरमेंट प्रोटेक्शन एजेंसी द्वारा इस रिपोर्ट के आधार पर विश्वभर के शहरों की एयर क्वालिटी की जो रैंकिंग जारी की गई है, उसके मुताबिक वायु प्रदूषण के मामले में भारत की स्थिति तो बेहद खराब है। इस रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में भारत छठे स्थान पर है लेकिन चौंकाने वाली स्थिति यह है कि प्रदूषण पर लगाम लगाने की तमाम कवायदों के बावजूद देश की राजधानी दिल्ली फिर से दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी के रूप में सामने आई है। इतना ही नहीं, दुनियाभर के 50 सबसे ज्यादा खराब एयर क्वालिटी वाले शहरों में से 35 शहर तो भारत के ही हैं। मध्य और दक्षिण एशिया के सर्वाधिक प्रदूषित 15 शहरों में 12 भारत के हैं। भारत के संदर्भ में तो रिपोर्ट का सार यही है कि राजधानी दिल्ली के अलावा भी देश के अधिकांश स्थानों पर लोग प्रदूषित हवा में सांस लेने को विवश हैं, जिस कारण उनमें तमाम गंभीर बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। वायु प्रदूषण स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालते हुए कई गंभीर बीमारियों का कारण तो बनता ही है, साथ ही इससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को भी बहुत बड़ी चोट पहुंचती है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वायु प्रदूषण संकट की आर्थिक लागत भारत जैसे देश के लिए सालाना 150 अरब डॉलर से भी ज्यादा हो सकती है।

वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वर्ष 2021 में पीएम2.5 का वार्षिक औसत स्तर 58.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया था जबकि राजधानी दिल्ली में यह 2020 के पीएम2.5 के वार्षिक औसत स्तर 84 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के मुकाबले 2021 में 14.6 फीसदी वृद्धि के साथ 96.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर पहुंच गया। दिल्ली में प्रदूषण का यह स्तर डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित मानकों से 19 गुना से भी ज्यादा है। राजस्थान का भिवाड़ी 106.2 पीएम2.5 स्तर के साथ सबसे प्रदूषित क्षेत्रीय शहर है जबकि दूसरे स्थान पर 102 पीएम2.5 के साथ गाजियाबाद है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 15 शहर तो ऐसे हैं, जहां पीएम2.5 का स्तर निर्धारित मानकों से 17 से 21 गुना ज्यादा है। ऐसे में सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर खतरे किस कदर बढ़ रहे हैं। हिन्दी अकादमी के सौजन्य से प्रकाशित अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण करते हुए विस्तार से यह बताया है कि प्रदूषित हवा में सांस लेने और वायु प्रदूषण के निरन्तर सम्पर्क में रहने से कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। दरअसल जिस हवा में हम सांस लेते हैं, उसमें मौजूद प्रदूषित कण 'पीएम' (पार्टिकुलेट मैटर) शरीर में प्रवेश कर कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। प्रदूषित हवा में अनेक हानिकारक बैक्टीरिया भी होते हैं, जो सांस के जरिये शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और निमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों को निमंत्रण दे सकते हैं। हाल ही में यूनिवर्सिटी ऑफ वेरोना द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने वाले लोगों में कैंसर की बीमारी का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रदूषित हवा में सांस लेने के कारण ही कैंसर, महिलाओं में गर्भपात की समस्या, गंभीर मानसिक समस्याओं के अलावा भी तरह-तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।

वायु प्रदूषण के कारण शरीर पर कई तरह के दुष्प्रभाव पड़ते हैं और इससे मौत का खतरा भी बढ़ जाता है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण विश्वभर में प्रतिवर्ष करीब 70 लाख लोगों की जान ले रहा है। वायु प्रदूषण के कारण श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान होता है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने से नाक में जलन तथा सूजन की समस्या हो सकती है और नाक तथा श्वांस नली में गंभीर संक्रमण हो सकता है। दूषित वायु में सांस लेने से हृदय की सेहत पर भी गंभीर असर पड़ता है। हृदय में रक्त संचार सुचारू रूप से नहीं हो पाने के कारण रक्त की धमनियां रुक जाती हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। हृदय पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों के कारण ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। मानव शरीर की मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर में प्रवेश करने वाली बीमारियों से लड़ने का कार्य करती है किन्तु लंबे समय तक वायु प्रदूषण के सम्पर्क में रहने के कारण लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर गंभीर असर पड़ता है और ऑटोइम्यून बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में शरीर का इम्यून सिस्टम ही शरीर की कोशिकाओं पर हमला कर देता है। दूषित हवा में कई प्रकार की विषैली गैसों का मिश्रण होता हैं, जिसमें सांस लेने से फेफड़ों की कोशिकाएं सही से काम नहीं कर पाती और शरीर में सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता। इस वजह से फेफड़ों के कैंसर का खतरा कई गुना ज्यादा हो जाता है।

विभिन्न अध्ययनों से यह पुष्टि हो चुकी है कि वायु प्रदूषण अब किडनी के लिए भी बड़ा खतरा बनने लगा है। दरअसल दूषित वायु में पीएम 2.5 के अलावा शीशा, पारा और कैडमियम जैसे भारी तत्व भी मौजूद होते हैं, जो धीरे-धीरे किडनी को खराब करते हैं। प्रदूषण के कारण शरीर में होने वाली ऑक्सीजन की कमी से किडनियों की कार्यक्षमता बाधित होती है। प्रदूषित माहौल में ज्यादा समय बिताने वाले लोगों की किडनियां रक्त को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाती, जिससे किडनी के अलावा अन्य समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। लिवर पर भी वायु प्रदूषण का बहुत बुरा असर पड़ता है, यह धीरे-धीरे रक्त से विषैले तत्वों को बाहर करने की क्षमता खोने लगता है। वायु प्रदूषण के कारण फैटी लिवर और लिवर कैंसर का खतरा बढ़ता है और ऐसे में लिवर धीरे-धीरे पूरी तरह खराब हो सकता है। वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के ही कारण प्रायः लिवर की एडवांस बीमारी मानी जानी वाली 'लिवर फाइब्रोसिस' की समस्या उत्पन्न होती है, जो बढ़ते-बढ़ते 'लिवर सिरोसिस' का रूप ले लेती है। ऐसी स्थिति में पहुंचने पर यह बीमारी लिवर की कोशिकाओं को नष्ट करने लगती है, जो ऐसे व्यक्ति के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। बढ़ता वायु प्रदूषण अब गंभीर मानसिक समस्याओं का कारण भी बनने लगा है। अनेक अध्ययनों में यह पुष्टि हो चुकी है कि लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने और ऐसे ही वातावरण में रहने से गंभीर मानसिक समस्याएं हो सकती हैं।

बढ़ते वायु प्रदूषण का गंभीर असर अब मासूम बच्चों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। गर्भ में पल रहे शिशु के लिए प्रदूषित हवा बहुत खतरनाक हो सकती है, जो शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास पर गहरा असर डालती है। ऐसे शिशुओं को जन्म से ही इम्यून सिस्टम की कमजोरी, सर्दी-जुकाम, निमोनिया जैसी विभिन्न समस्याएं अपनी चपेट में ले सकती हैं और इसके अलावा भी कई प्रकार के विकार हो सकते हैं। बहरहाल, वायु प्रदूषण के अर्थव्यवस्था के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य पर बढ़ते खतरों के मद्देनजर वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट ने एक बार फिर हमें यह सोचने-विचारने का अवसर प्रदान किया है कि यदि हम स्वच्छ और उन्मुक्त हवा में सांस लेकर अपना और अपनी भावी पीढियों का भविष्य बीमारियों रहित बनाना चाहते हैं तो हमें अब सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामुदायिक तौर पर भी वायु प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए गंभीरता से प्रयास करने होंगे। (लेखक- योगेश कुमार गोयल /ईएमएस)

भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे की विजय है पांच राज्यों का जनसमर्थन

योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली. मुख्यमंत्री के रूप में यह उनकी दूसरी पारी है. जब वर्ष 2017 में वह पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब उनके पास शासन का कोई अनुभव नहीं था, परन्तु इस बार उन्हें पांच वर्ष सत्ता में बने रहने का अनुभव है. वह पांच वर्ष की योजनाएं नहीं बना रहे हैं, अपितु वह डेढ़ दशक तक भाजपा को राज्य एवं केंद्र सत्ता स्थापित रखने की रणनीति पर कार्य कर रहे हैं. योगी-दो कैबिनेट में गुजरात मॉडल की झलक स्पष्ट दिखाई दे रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव पर यूपी के मंत्रिमंडल को आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत बनाया गया है. इसलिए भाजपा आगामी पन्द्रह वर्षों की रणनीति बनाकर चल रही है.

देश के पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर विधानसभा चुनाव में प्राप्त हुई विजय ने भाजपा में नई ऊर्जा का संचार कर दिया है. इस विजय ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि यह भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे की विजय है। जनता ने भाजपा में विश्वास जताया है तथा भाजपा की नीतियों का समर्थन किया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अब अधिक समय नहीं बचा है. उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था, क्योंकि यही चुनाव आगे के लोकसभा चुनाव की दिशा निर्धारित करता है। भाजपा ने सेमीफाइनल तो जीत लिया है, अब फाइनल जीतना शेष है. इसलिए भाजपा फूंक-फूंक कर कदम रख रही है.

इसलिए योगी-दो के मंत्रिमंडल में सूझबूझ से काम लिया गया है. योगी के कुल 52 सदस्यीय मंत्रिमंडल में 16 कैबिनेट, 14 स्वतंत्र प्रभार एवं 20 राज्य मंत्री हैं. पिछली सरकार में मंत्री रहे दिनेश शर्मा, श्रीकांत शर्मा, सतीश महाना, नीलकंठ तिवारी, सिद्धार्थ नाथ सिंह, जय प्रताप सिंह पटेल, सतीश महाना, मोहसिन रजा एवं आशुतोष टंडन सहित 20 लोगों को इस बार योगी मंत्रिमंडल में स्थान नहीं दिया गया.

ओबीसी नेता व एमएलसी केशव मौर्य दूसरी बार उप मुख्यमंत्री बनाए गए हैं, यद्यपि वह सिराथू से चुनाव हार गए थे. उनके साथ ही बृजेश पाठक को भी उप मुख्यमंत्री बनाया गया है. पिछली सरकार में वह कानून मंत्री थे। उन्होंने दिनेश शर्मा का स्थान लिया है. सुरेश कुमार खन्ना को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है. वह शाहजहांपुर से नौवीं बार विजयी होकर सदन पहुंचे हैं. पिछली कैबिनेट में वह वित्त मंत्री थे. पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही को भी कैबिनेट मंत्री बनाया गया है. वह पिछली सरकार में कृषि मंत्री थे. प्रदेश अध्यक्ष व एमएलसी स्वतंत्र देव सिंह को भी कैबिनेट मंत्री बनाया गया है. वह पिछली सरकार में भी मंत्री थे. नंद गोपाल नंदी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है. वह पिछली सरकार में भी मंत्री थे. धर्मपाल सिंह को भी कैबिनेट में स्थान मिला है. वह पिछली सरकार में सिंचाई मंत्री थे. उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल बेबी रानी मौर्य को भी कैबिनेट में स्थान दिया गया है. जात नेता लक्ष्मी नारायण चौधरी को भी कैबिनेट मंत्री बनाया गया है. वह बहुजन समाज पार्टी से भाजपा में आए हैं. समाजवादी पार्टी के गढ़ मैनपुरी से विजयी हुए जयवीर सिंह को भी कैबिनेट में स्थान दिया गया है. अनिल राजभर को भी कैबिनेट मंत्री बनाया गया है, वह पिछली सरकार में भी मंत्री थे. वह सपा सरकार में भे रह चुके हैं. राकेश सचान को भी कैबिनेट में स्थान दिया गया है. भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद कुमार शर्मा को भी योगी कैबिनेट में स्थान दिया गया है. वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खास माने जाते हैं. वह आईएएस की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए थे. तीसरी बार वियाधक बने योगेंद्र उपाध्याय को भी कैबिनेट में स्थान दिया गया है.

एमएलसी भूपेन्द्र चौधरी को भी कैबिनेट मंत्री बनाया गया है. वह पिछली सरकार में पंचायती राज मंत्री थे.एमएलसी जितिन प्रसाद को भी कबिनेट में स्थान दिया गया है. वह कांग्रेस से भाजपा में आए हैं. एमएलसी आशीष पटेल को भी कैबिनेट में स्थान दिया गया है. वह अपना दल एस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं. एमएलसी संजय निषाद को भी कैबिनेट में स्थान मिला है. वह निषाद पार्टी के अध्यक्ष हैं.

भाजपा पिछड़ा मोर्चा के अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप एवं पूर्व आइपीएस असीम अरुण को स्वतंत्र प्रभार मंत्री बनाया गया है. एमएलसी धर्मवीर प्रजापति, संदीप सिंह लोधी, अजीत पाल, रवीन्द्र जायसवाल को भी स्वतंत्र प्रभार मंत्री बनाया गया है. ये पिछली सरकार में भी मंत्री थे. कपिलदेव अग्रवाल, गुलाब देवी, गिरीश चंद्र यादव, जयंत राठौर, दयाशंकर सिंह, अरुण कुमार सक्सेना, कांग्रेस से भाजपा में आए दया शंकर दयालु, सपा से भाजपा में आए नितिन अग्रवाल एवं एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह को भी स्वतंत्र प्रभार मंत्री बनाया गया है.

संजीव कुमार गौड़ को राज्य मंत्री बनाया गया है. वह पिछली सरकार में भी मंत्री थे. पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष जसवंत सैनी, मयंकेश्वर सिंह, दिनेश खटीक, बलदेव सिंह औलख, मनोहर लाल पंथ, राकेश निषाद, संजय गंगवार, बृजेश सिंह, कृष्ण पाल मलिक, अनूप प्रधान वाल्मीकी, सोमेंद्र तोमर, सुरेश राही, राकेश राठौर, सतीश शर्मा, प्रतिभा शुक्ला, विजय लक्ष्मी गौतम एवं रजनी तिवारी को भी राज्य मंत्री बनाया गया है. एबीवीपी नेता दानिश आजाद अंसारी को भी राज्य मंत्री बनाया गया है. विशेष बात यह है कि वह न विधायक हैं और न एमएलसी. वह योगी मंत्रिमंडल का एकमात्र मुस्लिम चेहरा हैं.

इस मंत्रिमंडल की विशेष बात यह है कि योगी ने वर्ष 2024 के लोकसभा को ध्यान में रखते हुए जातीय समीकरण को साधने का प्रयास किया है. मंत्रिमंडल में सबसे अधिक 18 मंत्री ओबीसी, 10 ठाकुर, आठ ब्राह्मण, सात दलित, तीन जाट, तीन बनिया, दो पंजाबी और एक मुस्लिम चेहरा सम्मिलित है. दानिश आजाद अंसारी ऐसे समाज से आते हैं, जिनकी यूपी में बड़ी जनसंख्या है. पूर्वांचल अंसारियों का गढ़ है. भाजपा को इस चुनाव में मुसलमानों के आठ प्रतिशत वोट मिले हैं, जो कांग्रेस और बसपा को मिले मतों से भी अधिक हैं. इतना ही नहीं, भाजपा को मुस्लिम महिलाओं का भी समर्थन मिल रहा है. पिछले चुनाव में 'तीन तलाक' के मुद्दे पर मुस्लिम महिलाओं ने भाजपा का खुलकर समर्थन किया था. इस बार 'हिजाब प्रकरण' के पश्चात भी भाजपा को मुस्लिम महिलाओं का भारी समर्थन मिला. आज मुस्लिम महिलाएं कुप्रथाओं की बेड़ियां तोड़कर आगे बढ़ रही हैं. वे देश की मुख्यधारा में सम्मिलित होना चाहती हैं. ऐसी स्थिति में वे उसी पार्टी का समर्थन करेंगी, जो उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करे.

योगी सरकार अपनी जनहितैषी योजनाओं पर गंभीरता से कार्य कर रही है. योगी आदित्यनाथ ने शपथ लेने के अगले ही दिन कोरोना काल में आरंभ की गई निःशुल्क राशन वितरण योजना को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है, जिससे राज्य के 15 करोड़ लोगों को लाभ होगा. (लेखक- डॉ. सौरभ मालवीय /ईएमएस)

आज का इतिहास-30 मार्च

1772 इंग्लैंड की संसद में सुनवाई के दोरान क्लाइव ने बंगाल में अपनी कारवाइयों को उचित बताया.
1806 जोसेफ बोनापार्ट नेपल्स के नरेश बने.
1820 फ्रांस में प्रेस सेंसरशिप लागू की गई.
1842 अमेरिका में डॉ.क्राफोर्ड लांग ने आपरेशन में सुत्र करने के लिए ईथर का उपयोग पहली बार किया.
1855 ब्रिटेन और अफगानिस्तान के बीच फारस के खिलाफ एक समझौता हुआ.
1863 पोलैंड को कई प्रांतों में बांटा गया.
1885 रूस द्वारा पेंजदे पर कब्जे के कारण रूस, ब्रिटेन संबन्धों में तनाव पैदा हो गया.
1905 क्रीट में यूनानियों ने तुर्की के शासन के खिलाफ विद्रोह किया था.
1912 मोरक्को में फ्रांस के संरक्षण में गया.
1940 अधिकृत चीन में जापान ने कठपुतली सरकार का गठन किया.
1949 राजस्थान की स्थापना हुई थी.
1974 चीन का विमान पहली बार न्यूयार्क तक गया.
1989 ग्वाटेमाला के विद्रोहियों ने पाँच दिन पुराना विद्रोह समाप्त हुआ.
1990 एस्टोनिया की संसद ने सोवियत संघ से अलग होने का प्रस्ताव पारित किया.
1997 कांग्रेस पार्टी ने सयुक्त मोर्चे की सरकार के पक्ष का समर्थन वापस लिया.
2001 शेअर बाजार में 843 करोड़ रुपए के गोटाले का खुलासा. शेअर दलाल केतन पारेख को सीबीआई ने गिरफ्तार किया.
2002 जम्मू में प्रसिद्ध रघुनाथ मंदिर पर आतंकवादी हमले में दो आतंकवादी मरे.
2002 ब्रिटेन की महारानी की मां क्वीन मदर एलिजाबेथ की 101 वर्ष की आयु में निधन.

शब्द पहेली - 7240

बाएँ से दाएँ
1.उचित,गलत का विलोम-2
4.अधिकार-2
6.परछाई-2
7.सम्मान,प्रसिद्धि-2
9.उल्टी,कै,वमन-3
12.रंग (अंग्रेजी-3)
14.चंचल,फुर्तीला-3
16.भयभीत होना-4
17.फुर्तीलापन-4
18.बसंत काल-3
20.भ्रम,वहम-3
22.आश्रय,शरण-3
24.राजनीतिक पार्टी-2
26.शारीरिक ऊंचाई-2
27.गन्ना-2
28.शाखा,टहनी-2

ऊपर से नीचे
1.नमस्ते,आदाब-3
2.देह,बदन,तन-2
3.शराब,मदिरा-2
5.डोली उठानेवाले-3
6.पत्नी की छोटी बहन -2
8.वहम,संदेह-2
10.जरुरतमंद-5
11.नाग,सर्प-2
13.आनंदित होना -5
14.भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15.ढीला,सुस्त-3
19.नुकसान,घाटा-2
20.सद्कार्य-3
21.नशा,सरुर,खुमार-2
22.ओहदा -2
23.भवन,कोठी-3
25.क्षण,पल-2
26.कलिका,फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -7239 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एश्टन सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर

लाहौर (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के बाएं हाथ के स्पिनर एश्टन एगर कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाये गये हैं। ऐसे में वह पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने कहा है कि टीम के नियमित परीक्षण के दौरान फिजियोथेरेपिस्ट ब्रेंडन विल्सन भी संक्रमित निकले। वहीं गत दिवस विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस भी संक्रमित होने के कारण बाहर हो गये थे। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलिया के पास पहले मैच के लिये केवल 13 खिलाड़ी ही बचे हैं। वहीं ऑलराउंडर मिशेल मार्श चोटिल होने के कारण तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में नहीं खेलेंगे। इसके अलावा अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी कोहनी की चोट के कारण इस मैच से बाहर हैं जबकि तेज गेंदबाज पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क और सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को सीमित ओवरों की सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

आईसीसी टूर्नामेंटों में पुरुष और महिला टीमों की इनामी राशि का अंतर कम करेगी आईसीसी

डुनेडिन (ईएमएस)। अब विश्व स्तरीय टूर्नामेंट में पुरुष और महिला टीमों को मिलने वाली पुरस्कार राशि का अंतर कम हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस अंतर को कम करने पर विचार कर रहा है। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने कहा कि आगामी आठ वर्षों (2024-31) के दौरान महिला क्रिकेट में होने वाले आयोजनों को लेकर होने वाली आईसीसी गवर्निंग काउंसील की बैठक में पुरस्कार राशि को लेकर भी बात होगी।

गौरतलब है कि न्यूजीलैंड में इस समय 2022 आईसीसी महिला विश्व कप का आयोजन हो रहा है हालांकि इस विश्व कप की विजेता टीम को साल 2019 में हुए पुरुष विश्व कप की विजेता टीम के मुक़ाबले एक तिहाई पुरस्कार राशि ही मिलेगी। आईसीसी सीईओ ने इसको लेकर कहा कि आईसीसी के आर्थिक मामलों संबंधी ज्यादातर निर्णय आठ वर्षों के लिहाज से लिए जाते हैं पर आगामी 8 वर्षों को ध्यान में रखते हुए हम निसंदेह महिला और पुरुष क्रिकेट के बीच पुरस्कार राशि के इस अंतर को कम कर सकते हैं।

आईसीसी के सीईओ कहा कि हम अगले चक्र के आसपास इस पर चर्चा शुरू करने वाले हैं हमारा लक्ष्य महिला और पुरुष क्रिकेट के आयोजनों में टीमों की अंतिम स्थिति में समानता लाना होगा, हालांकि हम इस समय वहां तक नहीं पहुंच पाए हैं, लेकिन हम पुरस्कार राशि की समानता चाहते हैं।

अगले वर्ष होने वाले महिला टी-20 विश्व कप से पहले जनवरी 2023 में पहली बार महिला अंडर-19 विश्व कप का आयोजन होना है। अंडर-19 विश्व कप टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। आईसीसी अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी को लेकर एक हफ्ते के अंदर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

एलाडिर्स ने इस संबंध में कहा कि 2024 से 2027 के दौरान होने वाले आयोजनों को लेकर चर्चा हो चुकी है, हालांकि इन आयोजनों की मेजबानी पर अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है। जुलाई महीने में इसकी पुष्टि हो जाएगी। जुलाई महीने तक इन आयोजनों की मेजबानी के संबंध में हमारे पास आवेदन आ जाएंगे और जुलाई महीने के अंत में होने वाले वार्षिक सम्मेलन के दौरान इस पर फैसला लिया जाएगा।

आईसीसी ने हाल ही में 8 टीमों के बीच खेले जाने वाले 2022 महिला विश्व कप के विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि को दोगुना कर 1.32 मिलियन डॉलर (लगभग 101,640,000) कर दिया था। इसके साथ ही कुल पुरस्कार राशि में लगभग 75 फीसदी की वृद्धि कर इसे 3.5 मिलियन डॉलर (लगभग 269,500,000) कर दिया गया है, जो कि 2017 के विश्व कप संस्करण की तुलना में 1.5 मिलियन डॉलर अधिक है।

आईपीएल में आज केकेआर और आरसीबी में होगा मुकाबला

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

मुंबई (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने दूसरे मुकाबले में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। अपने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (केकेआर) पर जीत से टीम का मनोबल पहले ही बढ़ा हुआ है। कप्तान श्रेयस अय्यर की टीम ने पहले मैच में गेंद और बल्ले से बेहतर प्रदर्शन किया। ऐसे में आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में उसका पलड़ा भारी है। वहीं आरसीबी को अपने शुरुआती मुकाबले में पंजाब किंग्स के हाथों हार झेलनी पड़ी है। इससे भी उसका मनोबल गिरा है। आरसीबी के लिए राहत की बात यह है कि उसके नये कप्तान फाफ डुप्लेसी अच्छे फॉर्म में हैं। उन्होंने पहले मैच में 57 गेंदों पर 88 रन बनाये और वह अपनी इस फॉर्म को बनाये रखना चाहेंगे। वहीं सलामी बल्लेबाज अनुज रावत अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पाए। इसलिए वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाना चाहेंगे।

आरसीबी की ओ से टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी अब जिम्मेदारियों से मुक्त होने के कारण बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। आरसीबी को यदि जीत हासिल करनी है तो विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। केकेआर के गेंदबाजी को इस मैच में आरसीबी के कप्तान डूप्लेसी पर अंकुश लगाना होगा जबकि आरसीबी के गेंदबाजों को भी पिछले मैच के खराब प्रदर्शन से उबरकर अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम के एक अन्य गेंदबाज हर्षल पटेल को भी डेथ ओवरों में सटीक गेंदबाजी करनी होगी। श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा की बीच के ओवरों में अहम भूमिका रहेगी। अय्यर की टीम पहले मैच की तरह ही इस दूसरे मैच में भी हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। केकेआर के लिए अच्छी बात यह है कि अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे फॉर्म में वापस आ गये हैं। इसके अलावा टीम के पास वेंकटेश अय्यर जैसा ऑलराउंडर भी है। वेंकटेश एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी विरोधी टीम को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं।

मध्यक्रम में टीम के पास कप्तान श्रेयस अय्यर, सैम बिलिंग्स और शेल्डन जैक्सन जैसे खिलाड़ी हैं जबकि गेंदबाजी विभाग में अनुभवी उमेश यादव के अलावा युवा शिवम मावी, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण सहित अन्य खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा ऑलराउंडर आंद्रे रसेल भी एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जिन्हें रोकना आरसीबी के लिए आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, फाफ डुप्लेसी (कप्तान), हर्षल पटेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, जोश हेजलवुड, शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलन, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन बेहरेनडॉर्फ, सुयश प्रभुदेसाई, चामा मिलिंद, अनीश्वर गौतम, कर्ण शर्मा, डेविड विली, लवनिथ सिसोदिया, सिद्धार्थ कौल।

कोलकाता नाइट राइडर्स : अभिजीत तोमर, अजिंक्य रहाणे, बाबा इंद्रजीत, नीतीश राणा, प्रथम सिंह, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर (कप्तान), अशोक शर्मा, पैट कमिंस, रसिख डार, शिवम मावी, टिम साउथी, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती, अमन खान, आंद्रे रसेल, अनुकुल रॉय, चमिका करुणारत्ने, मोहम्मद नबी, रमेश कुमार, सुनील नारायण्, वेंकटेश अय्यर, सैम बिलिंग्स, शेल्डन जैक्सन।

मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची ओसाका

कोलिन्स से होगा मुकाबला

मियामी गार्डन्स (ईएमएस)। जापान की महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं।

ओसाका ने अमरीका की एलिसन रिस्के को 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। यहां उनका मुकाबला डेनियल कोलिन्स से होगा। यह इस साल में दूसरी बार है जबकि ओसाका क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वह जनवरी में मेलबर्न में एक टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। वहीं गत वर्ष वह मियामी ओपन में ही अंतिम आठ में पहुंची थी। ओसाका ने इस जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह मेरे जीवन के सबसे अच्छे समय में से एक है।

वहीं एक अन्य मुकाबले में अमरीका की नौवीं वरीयता प्राप्त कोलिन्स ने आठवीं वरीयता प्राप्त ओन्स जबूर को 6-2, 6-4 से हराया। इससे वह विश्व रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष 10 में पहुंच सकती हैं। वहीं इसके अलावा डारिया सैविल भी जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सैविल ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में लूसिया ब्रोंज़ेटी को 5-7, 6-4, 7-5 से हराया। अब उनका सामना यहां बेलिंडा बेनसिच से होगा।

रॉयल्स ने सनराइजर्स को हरायाः सीजन में पहली बार रनचेज करने वाली टीम हारी, राजस्थान ने पहले मैच में दिखाया पराक्रम

पुर्णे। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद के सामने 211 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में हैदराबाद की टीम सात विकेट पर 149 रन ही बना सकी। हैदराबाद के दो बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 61 रन से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में छह विकेट पर 210 रन का स्कोर खड़ा किया। कप्तान संजू सैमसन ने राजस्थान के लिए अपने 100वें मैच में स्पेशल पारी खेली। वे 27 गेंदों पर 55 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, देवदत्त पडिक्कल ने 29 गेंदों पर 41 रन और शिमरोन हेटमायर ने 13 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली।

जवाब में हैदराबाद की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 149 रन ही बना सकी। हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा रन एडेन मार्करम ने बनाए। वे 41 गेंदों पर 57 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर ने 14 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली। हैदराबाद के दो बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। इसमें राहुल त्रिपाठी और निकोलस पूरन शामिल हैं।

19वें ओवर में 133 के स्कोर पर हैदराबाद को सातवां झटका लगा। वॉशिंगटन सुंदर 14 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 40 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 285 का रहा। हैदराबाद को छह गेंदों में 77 रन की जरूरत है, जो कि नामुमकिन है। फिलहाल मार्करम और भुवनेश्वर कुमार क्रीज पर हैं। 16वें ओवर में 78 के स्कोर पर हैदराबाद को छठा झटका लगा। उन्हें युजवेंद्र चहल ने क्लीन बोल्ड किया। चहल को मिली यह तीसरी सफलता थी। राजस्थान की टीम अब बड़ी जीत की तरफ बढ़ रही है। 16 ओवर के बाद हैदराबाद ने छह विकेट गंवाकर 81 रन बना लिए हैं। फिलहाल वॉशिंगटन सुंदर तीन रन और एडेन मार्करम 32 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

हैदराबाद को 37 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। युजवेंद्र चहल ने अब्दुल समद को रियान पराग के हाथों कैच कराया। समद छह गेंदों पर चार रन बना सके। यह मैच अब पूरी तरह से राजस्थान के मुट्ठी में आ चुका है। फिलहाल रोमारियो शेफर्ड चार रन और एडेन मार्करम 19 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। 12 ओवर के बाद हैदराबाद का स्कोर पांच विकेट पर 44 रन हैं। युजवेंद्र चहल अब तक दो विकेट ले चुके हैं।

211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद ने नौ ओवर में चार विकेट गंवाकर 32 रन बना लिए हैं। नौवें ओवर में युजवेंद्र चहल ने अभिषेक शर्मा को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच कराया। अभिषेक 19 गेंदों पर नौ रन बना सके। सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी शर्मनाक रही है। पावरप्ले यानी पहले छह ओवर में ही हैदराबाद ने 14 रन बनाकर तीन विकेट गंवा दिए थे। यह आईपीएल इतिहास का पावरप्ले में संयुक्त रूप से सबसे कम स्कोर है। इससे पहले राजस्थान ने 2009 में बैंगलोर के खिलाफ पावरप्ले में 14 रन बनाए थे। निकोलस पूरन (0), राहुल त्रिपाठी (0) और केन विलियम्सन (2) कुछ खास नहीं कर सके। फिलहाल अब्दुल समद दो रन और एडेन मार्करम 13 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

रमजान से पहले 210 कैदियों को रिहा करेगा संयुक्त अरब अमीरात

अबूधाबी (ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात में रमजान से पहले सैकड़ों कैदियों को रिहा करने जा रहा हैं। यूएई की सुप्रीम काउंसिल के सदस्य और शारजाह के शासक डॉ शेख सुल्तान बिन मुहम्मद अल कासिमी ने रमजान के पवित्र महीने से पहले 210 कैदियों की रिहाई का आदेश दिया है। कैदियों के आचरण के आधार पर उन्हें माफ किया जा रहा है। स्थानीय मीडिया में इसकी जानकारी दी गई। शेख सुल्तान बिन मुहम्मद के कदम को उनकी उदारता को तौर पर देखा जा रहा है।

शारजाह पुलिस के कमांडर-इन-चीफ मेजर जनरल सैफ अल जरी अल शम्सी ने इस क्षमा के लिए शारजाह के शासक के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि शेख सुल्तान सजा काट रहे लोगों के परिवारों की खुशी के बारे में चिंतित है। रमजान के महीने में अब इन परिवारों को खुशी मिलेगी।

इस कदम का उद्देश्य कैदियों को बेहतरी के लिए बदलने और उन्हें नए सिरे से जीवन शुरू करने का मौका देना है। अल शम्सी ने उम्मीद जाहिर कि ये क्षमादान कैदियों को प्रेरित करेगा और उन्हें बेहतर जीवन जीने में मदद करेगा। रमजान से पहले यूएई में कैदियों को क्षमा करने की वार्षिक प्रथा है, जिसका उद्देश्य पारिवारिक संबंधों को मजबूती देना है। सुप्रीम काउंसिल के सदस्य और अजमान के शासक शेख हमैद बिन राशिद अल नूमी ने भी इसी तरह का एक सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने अलग-अलग देशों के 82 कैदियों को रिहा करने का आदेश दिया है। जिन कैदियों ने अपने कैद के दौरान अच्छे आचरण का प्रदर्शन किया, उन्हें रमजान के पवित्र महीने से पहले रिहा कर दिया गया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को भी बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी लि., एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयरों में बढ़त के साथ आया है। वहीं पहले दिन भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। आज दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 350.16 अंक करीब 0.61 फीसदी ऊपर आकर 57,943.65 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 103.30 अंक तकरीबन 0.60 उछलकर 17,325.30 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के जिन शेयरों में बढ़त रही वह हैं एचडीएफसी, भारतीय एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक जबकि दूसरी ओर आईटीसी, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी के शेयर गिरे हैं। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने गत दिवस 801.41 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इससे पहले सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम में आई गिरावट से भी कारोबारी धारणा को समर्थन मिल रहा है। इससे शुरुआती कारोबार में एचडीएफसी, मारुति सुजूकी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को खासी मजबूती मिली।

सेबी ने इलेक्ट्रॉनिक सोने की रसीदों को लेकर जानकारी जारी की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इलेक्ट्रॉनिक सोने की रसीदों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी जारी की। पिछले महीने नियामक ने इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद (ईजीआर) के संदर्भ में लॉकर (वॉल्ट) प्रबंधकों और डिपॉजिटरीज के लिए परिचालन से जुड़े निर्देश जारी किए थे। सेबी के अनुसार ईजीआर का कारोबार ट्रेडिंग यूनिट में शेयर बाजारों में होगा। इसके बारे में शेयर बाजार चीजें निर्धारित करेंगे। परिपत्र के अनुसार शेयर बाजार यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रेडिंग यूनिट जमा यूनिट का 10वें हिस्से से कम नहीं हो। उदाहरण के लिए 100 ग्राम सोने की छड़ें जमा होने पर 100 ग्राम का एक ईजीआर या 10-10 ग्राम के 10 ईजीआर सृजित किए जा सकते हैं। सेबी के परिपत्र में कहा गया है ?कि शेयर बाजार में ईजीआर में कारोबार करने को इच्छुक कोई भी व्यक्ति सोना पंजीकृत वॉल्ट प्रबंधकों के पास डिपॉजिट यूनिट में जमा करेगा। इसे शेयर बाजार निर्दिष्ट करेंगे। अन्य बातों के अलावा सेबी ने कहा कि शेयर बाजार को निवेशकों के विशेष रूप से अलग-अलग जमा और ट्रेडिंग यूनिट वाले ईजीआर के लिए पर्याप्त जानकारी का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। नियमों के तहत ईजीआर से जुड़े पूरे लेनदेन को तीन चरणों में विभाजित किया जा सकता है। भौतिक सोने को ईजीआर में परिवर्तित करना, शेयर बाजारों में ईजीआर का कारोबार और इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद को भौतिक सोने में परिवर्तित करना।

निर्माण लागत में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि होने से मकान निर्माण होगा मंहगा

मुंबई (ईएमएस)। रियल्टी कंपनियों के निकाय क्रेडाई ने कहा कि पिछले करीब 45 दिन में निर्माण लागत में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि होने से मकान महंगे हो सकते हैं। क्रेडाई के अनुसार, इस्पात जैसे कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण घर बनाने वाली कंपनियों को अगले महीने से अपनी संपत्तियों के दाम 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ाने पड़ सकते हैं।

क्रेडाई की महाराष्ट्र इकाई क्रेडाई-एमसीएचआई ने इस बीच केंद्र और राज्य सरकारों से डेवलपर्स को इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) की अनुमति देने के अलावा स्टाम्प शुल्क और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) दरों को कम करके उद्योग को राहत देने पर विचार करने की मांग की है। क्रेडाई ने कहा कि वह अपने सदस्यों को अभी निर्माण कार्य बंद करने की सलाह नहीं देगा।

हालांकि, यदि मूल्यवृद्धि जारी रहती है,तब रियल्टी कंपनियों के पास परियोजनाओं को रोकने और कच्चे माल की खरीद को स्थगित करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं होगा। क्रेडाई-एनसीआर ने हाल में कहा था कि वह निर्माण कार्य और कच्चे माल की खरीद को रोकने पर विचार कर रहा है।

क्रेडाई-एमसीएचआई के अध्यक्ष ने कहा, इस्पात की कीमतें 35 से 40 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 85 से 90 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई हैं। उन्होंने कहा, सीमेंट के दाम करीब 100 रुपए प्रति बोरी बढ़ गए हैं। ईंधन और परिवहन लागत बढ़ गई है। इसके चलते कुल निर्माण लागत में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।''

पेट्रोल और डीजल फिर हुआ महंगा

- पेट्रोल की कीमत 85 पैसे तो डीजल की 75 पैसे तक बढ़ी

मुंबई (ईएमएस)। पेट्रोल-डीजल के दामों में मंगलवार को फिर से बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल के दाम 76 से 85 पैसे तक बढ़े हैं तो डीजल के दाम भी 67 से 75 पैसे तक बढ़े हैं। दिल्ली में पेट्रोल के दाम में 80 पैसे और डीजल के दाम में 70 पैसे बढ़े हैं। मुंबई में पेट्रोल के दाम में 85 पैसे और डीजल के दाम में 75 पैसे बढ़े हैं। कोलकाता में पेट्रोल के दाम में 83 पैसे, डीजल के दाम में 70 पैसे बढ़े हैं। इसी तरह चेन्नई में पेट्रोल के दाम में 76 पैसे, डीजल के दाम में 67 पैसे बढ़े हैं। दिल्ली में पेट्रोल 100.21 रुपए प्र?ति लीटर और डीजल 91.47 रुपए प्र?ति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 115.04 रुपए प्र?ति लीटर, डीजल 99.25 रुपए प्र?ति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 109.68 रुपए प्र?ति लीटर, डीजल 94.62 रुपए प्र?ति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 105.94 रुपए प्र?ति लीटर, डीजल 96 रुपए प्र?ति लीटर हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमत में 15 से 20 रुपए का इजाफा करना होगा। इस लिहाज से देखें तो पेट्रोल-डीजल की कीमत में अभी और 18 रुपए की बढ़ोतरी हो सकती है।

पिछले दिनों मूडीज रेटिंग एजेंसी ने रिपोर्ट जारी कर कहा था कि भारत के टॉप फ्यूल रिटेलर्स आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को नवंबर से मार्च के बीच करीब 2.25 अरब डॉलर (19 हजार करोड़ रुपए) के रेवेन्यू का नुकसान हुआ है। रेटिंग एजेंसी ने कहा ?कि हम उम्मीद करते हैं कि सरकार रिफाइनरी को नुकसान से बचाने के लिए कीमतें बढ़ाने की अनुमति देगी। लगातार दो दिन 80-80 पैसे बढ़ने पर मूडीज ने कहा था कि इससे संकेत मिलता है पेट्रोल-डीजल के दाम एक बार में न बढ़ाकर धीरे-धीरे बढ़ाए जाएंगे। बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं।

बिहार और झारखंड में ठप्प हो सकती हैं मोबाइल सेवाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिहार और झारखंड राज्य में मोबाइल सेवाओं पर खतरे की घंटी मंडरा रही है। कुछ कथित यूनियनों ने बिहार और झारखंड क्षेत्र में दूरसंचार सेवाओं को बाधित करने की धमकी दी है। इसको लेकर भारत में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं की एक शीर्ष प्रतिनिधि संस्था 'डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स एसोसिएशन' (डीआईपीए), ने मंगलवार को बिहार और झारखंड की सरकारों से ठस्व-घोषितठ यूनियनों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स एसोसिएशन (डीआईपीए) के महानिदेशक टीआर दुआ ने अपने बयान में कहा, ठएक स्व-घोषित यूनियन ने विशेष रूप से मौद्रिक लाभ के संबंध में उनकी कथित अवैध मांगों को पूरा नहीं करने पर दोनों राज्यों - बिहार और झारखंड में दूरसंचार सेवाओं को बाधित करने के लिए एक अवैध धमकी दी है। दुआ ने अपने बयान में कहा हमने झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह और बिहार के मुख्य सचिव, अमीर सुभानी से अनुरोध किया है कि वे सभी जिलों में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्बाध दूरसंचार कनेक्टिविटी और दूरसंचार कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने में तत्काल हस्तक्षेप करें। डीआईपीए के सदस्यों में इंडस टावर्स, अमेरिकन टावर कॉर्पोरेशन, समिट डिजीटेल रिलायंस जियो इंफ्राटेल और टावर विजन शामिल हैं। डीआईपीए द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, डीजल पर निर्भरता कम करने की टावर कंपनियों की पहल यूनियनों को रास नहीं आ रही है। डीआईपीए ने कहा डीजल की कमी यूनियनों को रास नहीं आ रही है, और अगर डीजल की सप्लाई में एक लीटर भी कटौती की जाती है, तो वे जबरदस्ती कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं।

466 एनजीओ के विदेशी फंडिंग लाइसेंस को नहीं मिला रिन्यूअल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार 2020 से अभी तक 466 गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के लाइसेंस के रिन्यूअल को खारिज कर चुकी है। गृह मंत्रालय ने बताया कि इन एनजीओ के विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं किया गया है, क्योंकि वे कानून के तहत पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं। मंत्रालय ने कहा कि 2020 में 100, 2021 में 341 और इस साल अब तक 25 संगठनों का रिन्यूअल नहीं किया गया।

एफसीआरए लाइसेंस रिन्यूअल के लिए ऑक्सफैम इंडिया का आवेदन दिसंबर 2021 में खारिज कर दिया गया था। यूनाइटेड किंगडम ने भारत के साथ इस मामले को उठाया था। केंद्र ने एफसीआरए के दायरे से 5,789 संगठनों को भी हटा दिया है, क्योंकि उन्होंने लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं किया था, जो विदेशी धन प्राप्त करने के लिए जरूरी है।

जर्मनी में अमेरिकी विमानों का रूस के विरूध नहीं किया जाएगा इस्तेमाल : जॉन किर्बी

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस सप्ताह जर्मनी के स्पैंगडाहलेम एयर बेस पर पहुंचने वाले नौसेना के छह ईए-18जी ग्रोलर विमानों का इस्तेमाल यूक्रेन में रूस के विरूध नहीं किया जाएगा। इसका उपयोग नाटो के पूर्वी मोर्चे को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने कहा कि उन्हें यूक्रेन में रूस की सेना के विरूध इस्तेमाल के लिए तैनात नहीं किया जा रहा है।

उन्हें पूरी तरह से पूर्वी मोर्चे पर नाटो की प्रतिरोधक क्षमता तथा रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के हमारे प्रयासों को ध्यान में रखते हुए तैनात किया जा रहा है। किर्बी ने कहा कि द ग्रोलर यूएस एफ-18 सुपर हॉर्नेट फाइटर जेट का एक विशेष संस्करण है यह दुश्मन के राडार को चकमा देने वाले जैमिंग सेंसर के एक सेट का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक युद्ध मिशन की उड़ाने के लिए सुसज्जित है। जो दुश्मन के वायु रक्षा अभियानों को दबाने की क्षमता में मदद करता है। उन्होंने कहा कि जर्मनी में पायलट और रखरखाव दल के करीब 240 नौसेनिक तैनात रहेंगे।

पीएम मोदी ने एमपी में 5 लाख से ज्यादा गरीबों का कराया गृह प्रवेश

-जब गरीब सशक्त होता है तो उसमें गरीबी से लड़ने का हौसला आता है:मोदी

-महामारी में मुफ्त राशन के लिए 2.60 लाख करोड़ खर्च कर चुकी है सरकार

भोपाल(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मप्र में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के करीब 5 लाख लाभार्थियों के गृह प्रवेश में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल रहे। ग्रामीण अंचल में रहने वाले 5 लाख लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों में गृह प्रवेश कराया गया। इस खास मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। वहीं पीएम मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश के लगभग सवा 5 लाख गरीब परिवारों को उनके सपनों का पक्का घर मिल रहा है। हमारे देश में कुछ दलों ने गरीबी दूर करने के लिए नारे बहुत लगाए लेकिन गरीबों को सशक्त करने के लिए काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि एक बार जब गरीब सशक्त होता है तो उसमें गरीबी से लड़ने का हौसला आता है।

पीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांवों में बने ये सवा पांच लाख घर, सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है। ये सवा पांच लाख घर, देश में सशक्त होते गरीब का पहचान हैं। ये सवा 5 लाख घर बीजेपी सरकार की सेवा भाव की मिसाल है। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत जो घर बने हैं, उनमें से करीब-करीब दो करोड़ घरों पर मालिकाना हक महिलाओं का भी है। इस मालिकाना हक ने, घर के दूसरे आर्थिक फैसलों में भी महिलाओं की भागीदारी को मजबूत किया है। बीते ढाई साल में इस योजना के तहत देशभर में 6 करोड़ से अधिक परिवारों को शुद्ध पेयजल कनेक्शन मिल चुका है।

पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष के बजट में पूरे देश में 80 लाख से अधिक घर बनने के लिए पैसे आवंटन करने प्रावधान किया गया है। अब तक लगभग 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा इस योजना पर खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 100 साल में आई इस सबसे बड़ी महामारी में हमारी सरकार गरीबों को मुफ्त राशन के लिए 2 लाख 60 हजार करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है।

रूस ने तीन नाटो देशों के 10 राजनियकों को दिखाया बाहर का रास्ता

मॉस्को (ईएमएस)। रूस ने बाल्टिक देशों पर बदले की कार्रवाई कर उनके 10 राजनयिकों को देश से बाहर निकलने का आदेश दिया है। इसमें तीन राजनयिक एस्टोनिया और लाटविया के हैं, इसके अलावा 4 राजनयिक लिथुआनिया के हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से इस एक्शन के बारे में जानकारी दी गई है। इसी महीने तीन बाल्टिक देशों लातविया, एस्टोनिया और लिथुआनिया ने 10 रूसी राजनियकों को बाहर निकाल दिया था। लिथुआनिया ने रूस के 4 राजनियकों को बाहर का रास्ता दिखाया था, जबकि लातविया और एस्टोनिया ने भी तीन डिप्लोमैट्स को निकाल दिया था।

लातविया ने कहा था कि तीनों देशों ने समन्वय के साथ यह फैसला लिया है। लातविया के विदेश मंत्री एडगार्स रिंकेविक्स ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यह एक्शन लिया गया है। वहीं एस्टोनिया का कहना था कि उन्होंने रूसी राजनयिकों को इसकारण बाहर निकाला है, क्योंकि उससे हमारी सुरक्षा को खतरा है। एस्टोनिया का कहना था कि रूस लगातार यूक्रेन पर हमला कर रहा है और उसके राजनयिक गलत प्रोपेगेंडा फैला रहे थे। इसके बाद उन्हें देश से बाहर किया जाना जरूरी था। बता दें कि यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस पर पश्चिमी देशों की ओर से लगातार प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। एस्टोनिया, लिथुआनिया और लातविया नाटो से जुड़े देश हैं और रूस के आलोचकों में से एक हैं। ऐसे में रूस से तीनों देशों के टकराव की वजह समझी जा सकती है।

रूसी अरबपति रोमन अब्रामोविच और यूक्रेन के शांति वार्ताकारों को जहर दिया गया

न्यूयार्क (ईएमएस)। रूसी अरबपति रोमन अब्रामोविच और यूक्रेन के शांति वार्ताकारों ने मार्च महीने की शुरुआत में कीव में एक बैठक की थी। बैठक बाद इन चारों लोगों के संदिग्ध जहर की चपेट में आने के लक्षण दिखाई दिए थे। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने मामले में जुड़े लोगों के हवाले से सोमवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, अब्रामोविच और यूक्रेन टीम के कम से कम दो वरिष्ठ सदस्य संदिग्ध जहर से प्रभावित हुए थे। अब्रामोविच ने यूक्रेन के अनुरोध पर वार्ता में मदद करने की हामी भरी थी ताकि यूक्रेन पर रूस के हमले को खत्म किया जा सके।

अखबार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि संदिग्ध जहर का शिकार होने वाले लोगों में आंखें लाल होने, लगातार दर्द तथा चेहरे और हाथ की त्वचा का छिलना शामिल है। बताया जा रहा है कि रूसी उद्योगपति, क्रीमियन तातार लॉमेकर रुस्तम उमेरोव की हालत में सुधार और उनकी जान खतरे से बाहर है।

रक्षा, आर्थिक, शिक्षा, धार्मिक सहयोग के लिए श्रीलंका-भारत के बीच हुआ समझौता

कोलंबो (ईएमएस)। पड़ोसी देशों के साथ संबंधों के हिमायती भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की श्रीलंका यात्रा के पहले दिन रक्षा, आर्थिक, शिक्षा, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करते हुए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। तीन राजपक्षे भाइयों- राष्ट्रपति गोटाबाया, प्रधानमंत्री महिंदा और वित्त मंत्री बेसिल के साथ-साथ विदेश मंत्री जीएल पेइरिस से मुलाकात करते हुए, जयशंकर ने छह समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जो दोनों देशों और भविष्य के सहयोग के लिए महत्वपूर्ण हैं।

सुरक्षा के मोर्चे पर, भारत से 6 डॉलर मिलियन के अनुदान के साथ एक समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारत सरकार के स्वामित्व वाली एयरोस्पेस और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा निर्मित, परियोजना के साथ भारत श्रीलंका को तीन डोर्नियर समुद्री निगरानी विमान और श्रीलंका नौसेना को 4,000 मीट्रिक टन फ्लोटिंग बार्ज प्रदान करना है। एमआरसीसी को श्रीलंका नौसेना मुख्यालय के अंदर स्थापित किया जाना है और सात अन्य उप-इकाइयों को देश भर में तैनात किया जाना है, जिसमें एक दक्षिणी शहर हंबनटोटा में स्थित है, जहां चीन की ओर से संचालित बंदरगाह स्थित है।

30 करोड़ रुपये के अनुदान पर श्रीलंका विशिष्ट डिजिटल पहचान (एसएल-यूडीआई) कार्यक्रम को लागू करने के लिए एक अलग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हालांकि दोनों परियोजनाओं की श्रीलंका के विपक्ष और कार्यकर्ताओं ने आलोचना की है कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर देश के राष्ट्रीय संसाधनों को बेच रही है।

विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि एसएल-यूडीआई परियोजना के साथ बायोमेट्रिक्स सहित सभी श्रीलंकाई लोगों की पूरी डिजिटल पहचान भारत के हाथों में होगी। जाफना से तीन द्वीपों में हाइब्रिड विद्युत परियोजनाओं को लागू करने के लिए एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जहां पहले प्रस्तावित चीनी परियोजना को भारत द्वारा आपत्ति के बाद रद्द कर दिया गया था। भारत ने तमिलनाडु तट पर रामेश्वरम के करीब श्रीलंकाई द्वीपों में चीनी उपस्थिति पर आपत्ति जताई है।

हस्ताक्षर किए गए अन्य समझौता ज्ञापनों में श्रीलंका में मत्स्य बंदरगाह के विकास के लिए हैं। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने हाल ही में श्रीलंका को दी गई लगभग 2.5 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता के लिए भारत को धन्यवाद दिया और जयशंकर ने कोलंबो की आर्थिक सुधार प्रक्रिया में नई दिल्ली के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। श्रीलंका में महत्वपूर्ण बौद्ध स्थलों के रखरखाव के लिए 15 मिलियन डॉलर देने के लिए प्रधान मंत्री महिंदा राजपक्षे की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। जयशंकर ने उत्तरी प्रांत के लोगों के लिए सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के उद्देश्य से भारत की अनुदान सहायता से निर्मित जाफना सांस्कृतिक केंद्र में अत्याधुनिक थिएटर का वर्चुअल उद्घाटन किया।

मजबूत नाटो के लिए अमेरिका ने नौसेना के 6 विमान तैनात किए

-ये विमान इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में विशेषज्ञता रखते हैं, 240 नौसैनिक भी तैनात

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने कहा है कि पूर्वी यूरोप में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वह नौसेना के छह विमान तैनात कर रहा है, ये विमान इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में विशेषज्ञता रखते हैं। इसके अलावा अमेरिका पूर्वी यूरोप में लगभग 240 नौसैनिकों को तैनात कर रहा है।

पेंटागन प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि वाशिंगटन प्रांत में नौसेना अड्डा व्हिडबे द्वीप पर स्थित ईए-18जी ग्रोलर विमान सोमवार को जर्मनी के स्पैंगदहलेम हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे, जहां उन्हें तैनात किया जाएगा।

पेंटागन के प्रवक्ता के मुताबिक इन विमानों का इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में नहीं किया जाएगा। इस बीच, एक वरिष्ठ अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर आंतरिक अमेरिकी खुफिया आकलन पर चर्चा करते हुए कहा कि यूक्रेन में जमीनी स्तर पर स्थिति में बहुत कम बदलाव आया है।

भारत के लिए कोविड-19 यात्रा नियमों में अमेरिका ने दी ढील, हाई रिस्क से लो रिस्क में बदली यात्रा

वाशिंगटन (ईएमएस)। भारत में कोरोना के घटते केसों के बाद अब यात्राओं से पाबंदियां हटनी शुरु हो गई है। इसी बीच, यूएस सेंटर फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने भारत के लिए अपनी कोविड-19 यात्रा एडवाइजरी में ढील देने का निर्णय लिया है। सीडीसी ने बताया कि उसने भारत के लिए अपनी कोविड-19 यात्रा को लेवल 3 (हाइ रिस्क) से लेवल एक (लो रिस्क) में बदल दिया है।

दरअसल, सीडीसी ने कोविड-19 के कारण एक लेवल 1 ट्रैवल हेल्थ नोटिस जारी किया है। जो देश में कोविड-19 के निम्न स्तर का संकेत देता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि अगर आपने एफडीए से प्रमाणित वैक्सीन की पूरी डोज लगवा ली है। तो यह कोविड-19 और उसके दूसरे लक्षणों को कम करता है। बयान में कहा गया है किसी भी अंतरराष्ट्रीय यात्रा की योजना बनाने से पहले कृपया टीकाकरण और बिना टीकाकरण वाले यात्रियों के लिए सीडीसी की विशिष्ट सिफारिशों की समीक्षा करें।

भारत के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए सीडीसी ने कहा यह सुनिश्चित करें कि भारत यात्रा करने से पहले आपने कोविड19 का टीका लगवा लिया है। भले ही आप अपने कोरोना टीकों के साथ अप टू डेट हों। अभी भी कोविड-19 होने और वायरस के फैलने का खतरा बरकरार है। 2 साल या उससे अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को इनडोर सार्वजनिक स्थानों पर अच्छी तरह से फिट होने वाला मास्क पहनना चाहिए। भारत में सभी आवश्यकताओं और सिफारिशों का पालन करें।

आपको बता दें कि सीडीसी यात्रा स्वास्थ्य नोटिस का उपयोग यात्रियों और अन्यों को दुनिया भर में स्वास्थ्य खतरों के प्रति सचेत करने और खुद को बचाने के तरीके के बारे में सलाह देने के लिए करता है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में भारत में कोविड-19 के केस कम हुए हैं। जिसके चलते भारत सरकार ने भी यात्रा में ढील देना शुरु कर दिया है।

रूस गैरमित्र देशों के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी में

मॉस्को (ईएमएस)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव ने कहा है कि रूस गैरमित्र देशों के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी कर रहा है। गौरतलब है कि रूसी घेराबंदी का शिकार यूक्रेन का चर्नीहीव शहर मलबे की ढेर में बदल गया है और दिन में यहां रह रहे लोग पीने के लिए पानी को तरस रहे हैं और थोड़े से भोजन की खोज में बम और गोलों के धमाकों के बीच बाहर आने का खतरा उठा रहे हैं।

मारियुपोल की तरह ही रूसी सैनिकों ने चर्नीहीव की घेराबंदी की है। यहां सड़क पर पड़ी लाशें दिख रही है और यहां भी लोग विनाश को देख रहे हैं।रूसी सेना का कहना है कि यूक्रेन में उसके सैन्य अभियान का पहला चरण समाप्त हो गया है और अब उसके सैनिक पूर्वी डोनबास क्षेत्र की पूर्ण ठमुक्तिठ पर ध्यान केंद्रित करेंगे। युद्ध प्रभावित यूक्रेन को अमेरिका ने नागरिक सुरक्षा सहायता में 100 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त मदद प्रदान करने की बात कही है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने कहा कि सीमा सुरक्षा, नागरिक कानून प्रवर्तन कार्यों को बनाए रखने और महत्वपूर्ण सरकारी बुनियादी ढांचों की रक्षा करने के लिए यूक्रेन को ये मदद मुहैया कराई जाएगी।

नाटो सीमा में एक इंच भी दाखिल होने की न सोचें पुतिन

-अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने दी राष्ट्रपति पुतिन को चेतावनी

-कहा- नाटो एकजुट है और उसे तोड़ा नहीं जा सकता

कीव(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच एक महीने से भी ज्यादा समय से जंग जारी है। ना तो यूक्रेनी सेना मैदान छोड़ने को तैयार है और ना ही पुतिन अपनी जीद छोड़ने को तैयार हैं। दोनों देश अभी तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं, ऐसे में जंग रुकने की कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। दोनों देशों में चल रही जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर रूस को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। रूस को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा है कि रूस नाटो की सीमा में एक इंच दाखिल होने की ना सोचे नहीं तो इसके परिणाम बहुत बुरे होंगे। बाइडन ने रूस को ये चेतावनी नाटो संगठन की बैठक के बाद दी है। बैठक के बाद बाइडन ने कहा नाटो एकजुट है और उसे तोड़ा नहीं जा सकता। पुतिन के प्रति बाइडन की अचानक बढ़ी सख्ती की वजह है? रूसी राष्ट्रपति पर बाइडन की चेतावनी कितना असर डालेगी?

वैश्विक मामलों के जानकार हर्ष बी पंत कहते हैं नाटो संगठन की बैठक में बाइडन का दिया गया बयान बहुत अहम है। उन्होंने यह बयान इसलिए भी दिया है क्योंकि वो नाटो के सदस्य देशों की चिंता दूर करना चाहते हैं। दरअसल यूक्रेन से सटे हुए जितने भी देश हैं, उनमें पुतिन के आक्रामक रवैए की वजह से चिंता है। अमेरिका नाटो का प्रमुख देश है। इसलिए बाइडन का ये बयान नाटो देशों को विश्वास जरूर दिलाएगा। हर्ष वी पंत कहते हैं पुतिन यूक्रेन को लेकर पुतिन जंग रुकने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति यह भी कह चुके हैं कि जो इस जंग में यूक्रेन के साथ शामिल होगा उसकी खैर नहीं। उनका साफ कहना था कि जंग रूस और यूक्रेन के बीच है उसमें किसी को पड़ने की जरूरत नहीं है। इसीलिए अमेरिका ने भी चीन को चेतावनी दी कि वह रूस का सहयोग न करें। लेकिन नाटो देशों की चिंता इसलिए बढ़ गई क्योंकि उन्हें यह बहुत अच्छे से मालूम है कि अगर रूस ने परमाणु युद्ध शुरू किया तो इसकी जांच नाटो के सदस्य देशों तक भी जरूर पहुंचेगी।

वह कहते हैं जबसे पुतिन ने अपनी परमाणु विंग को अलर्ट पर रहने के आदेश के बाद ही नाटो संगठन की बैठक शुरू हुई। इसके बाद ही नाटो सेनाओं की तैनाती यूक्रेन से सटे देशों में की गई। अपना तो इस बात का इंतजार कर रहा है कि रूस अगला कदम क्या उठाएगा। अगर पुतिन इस जंग को परमाणु हथियारों की जंग बनाते हैं तो यह केवल यूक्रेन और रूस के बीच सीमित नहीं रहेगी। ऐसे में नाटो की सेनाओं को जंग के मैदान में उतरना होगा। अगर नाटो इस जंग में उतरा तो अमेरिका को भी इस जंग में हिस्सा लेना होगा। ऐसे में बाइडन की चेतावनी के बाद यह देखना होगा कि पुतिन आगे क्या कदम उठाते हैं। रूसी राष्ट्रपति के आदेश के बाद रूसी नौसेना ने अपने कई परमाणु पनडुब्बियों को उत्तरी अटलांटिक महासागर में उतार दिया है। कई पनडुब्बियां 16 बैलिस्टिक मिसाइलें ले जा सकती हैं। रूस के इस कदम के बाद नाटो देशों की खुफिया एजेंसियों ने रूस के न्यूक्लियर हथियारों पर पैनी नजर रखी हुई है। वहीं ब्रिटेन ने रूसी पनडुब्बियों को खतरा ना मानते हुए इसे रूस की एक चेतावनी बताया है।

खेडब्रह्मा से कांग्रेस विधायक अश्विन कोटवाल के भाजपा में शामिल होने की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस) इस वर्ष के आखिर में होनेवाले गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राजनीतिक हलचलें तेज हो गई हैं। खासकर दलबदलुओं का मौसम खिल गया है एक पार्टी से दूसरी पार्टी में आवागमन का सिलसिला शुरू हो गया है। आगामी दिनों में उत्तरी गुजरात के खेडब्रह्मा से कांग्रेस विधायक अश्विन कोटवाल के भाजपा में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसा होता है तो कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। जानकारी के मुताबिक आगामी 6 अप्रैल को अश्विन कोटवाल भाजपा का भगवा धारण कर सकते हैं। 6 अप्रैल को साबरकांठा के हिम्मतनगर में गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख की उपस्थिति में पार्टी का कार्यक्रम है और इसी दौरान अश्विन कोटवाल भगवा रंग में रंग सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। पिछले काफी समय से अश्विन कोटवाल कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं और उसके कार्यक्रमों में दिखाई नहीं दे रहें। अश्विन कोटवाल गुजरात विधानसभा में विपक्ष के नेता बनना चाहते थे, लेकिन यह सुखराम राठवा को दे दिया गया। जिसके बाद से अश्विन कोटवाल कांग्रेस से नाराज हैं। कांग्रेस कार्यक्रमों में अश्विन कोटवाल की अनुपस्थिति इस बात को बल मिला कि वह भाजपा जॉइन कर सकते हैं। कांग्रेस के आदिवासी सत्याग्रह कार्यक्रम में भी अश्विन कोटवाल नदारद रहें। विधानसभा सत्र के दौरान निष्क्रिय रहे अश्विन कोटवाल सदन में एसटी विभाग की चर्चा के दौरान भी सदन में अनुपस्थित रहें। अश्विन कोटवाल खेडब्रह्मा सुरक्षित सीट से कांग्रेस विधायक हैं और वह लगातार तीन दफा चुनाव जीत चुके हैं। 1996 में एनएसयूआई से राजनीतिक सफर शुरू करने वाले कोटवाल 2001 में यूथ कांग्रेस के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। 2004 में साबरकांठा जिला पंचायत के विपक्षी नेता रहें। 2018 में अश्विन कोटवाल को विधानसभा में दंडक बनाया गया था। वैसे हर विधानसभा चुनाव से पहले दलबदल का खेल शुरू हो जाता है। लेकिन इस बार कांग्रेस को झटके पे झटके लग रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस प्रवक्ता जयराजसिंह परमार और उसके बाद अहमदाबाद महानगर पालिका के पूर्व विपक्ष के नेता दिनेश शर्मा भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं। इसके अलावा मेहसाणा और सुरेन्द्रनगर से भी कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता भाजपा का दामन थाम चुके हैं।

संगठन में उचित स्थान नहीं मिलने से कांग्रेस के पाटीदार नेता पार्टी कार्यक्रमों का करेंगे बहिष्कार

राजकोट (ईएमएस) पिछले ढाई दशकों से गुजरात की सत्ता से बाहर कांग्रेस राज्य विधानसभा के आगामी चुनावों की तैयारियों में व्यस्त हैं। दूसरी ओर कांग्रेस के पाटीदार नेताओं ने पार्टी के खिलाफ ही बिगुल फूंक दिया हैं। लगातार असफलता के बावजूद कांग्रेस की आंतरिक कलह खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं। एक अनार सौ बीमार कहावत कांग्रेस पर सही साबित हो रही हैं। एक को मनाने में दूसरा रूठ जाता है और दूसरे को राजी करो तो तीसरा। गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने हालही में नए संगठन का ऐलान किया है और इसमें राजकोट शहर के पाटीदारों को शामिल नहीं किए जाने से पाटीदार समाज भड़क उठा हैं। पाटीदार समाज के नेताओं ने एक बैठक की, जिसमें पाटीदार समाज के नेताओं ने कांग्रेस के खिलाफ एक समिति बनाई हैं। इस समिति ने कांग्रेस के सभी कार्यक्रमों का बहिष्कार करने की घोषणा की है और कहा है कि जब तक संगठन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा तब कांग्रेस के पाटीदार नेता कांग्रेस के किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगें। इस संदर्भ में कांग्रेस नेता मितुल दोंगा ने कहना है कि संगठन में पाटीदारों की लगातार उपेक्षा की जारही हैं। अब तक कभी पाटीदार को राजकोट शहर कांग्रेस का प्रमुख नहीं बनाया गया। इतना ही नहीं प्रदेश संगठन में भी राजकोट के एक भी पाटीदार को प्रतिनिधित्व नहीं दिया, जिससे समाज में आक्रोश व्याप्त हैं। दूसरी ओर कांग्रेस नेता महेश राजपूत का कहना है कि कांग्रेस ने हमेशा पाटीदार समाज को मौका दिया हैं। जहां तक बात राजकोट की है तो वहां वरिष्ठता के आधार पर स्थान दिया जाता हैं। उन्होंने कहा कि संगठन में अब भी मंत्री और कारोबारी सदस्यों को नियुक्त करना शेष है, जिसमें सभी समाज के लोगों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जो भी पेशकश करनी हो वह पार्टी फोरम में करनी चाहिए, इस प्रकार ब्लैकमेलिंग करना या पार्टी पर दबाव बनाना उचित नहीं हैं।

वनरक्षक की परीक्षा में अनियमितता सामने आई थी

राजकोट में वनरक्षक की परीक्षा का पेपर लीक होने का आरोप

परीक्षा का प्रश्नपत्र टूटा हुआ निकला और पैकेट में ३ इंच कटा हुआ और ऊपर टेप लगाये जाने का आरोप

राजकोट, २९ मार्च। मेहसाणा के ऊंझा तहसील के उनावा में वनरक्षक की परीक्षा में अनियमितता का मामला सामने आने के बाद अब घटना के तीसरे दिन राजकोट में भी उम्मीदवारों द्वारा वनरक्षक का पेपर लीक होने का आरोप लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार एक महिला उम्मीदवार ने आरोप लगाते हुए कहा कि, परीक्षा का प्रश्नपत्र टूटा हुआ निकला और पैकेट में ३ इंच कटा हुआ और ऊपर टेप मार दिया गया। यह मामले में राज्य सरकार के प्रवक्ता और शिक्षामंत्री जीतू वाघाणी मीडिया समक्ष निवेदन देते हुए कहा कि, घटना के ३ दिन इस प्रकार की बात करने वाले लोगों को पूछना चाहता हूं कि, पहले दिन क्या छछुंदर निगल लिया गया था जो जीतू वाघाणी मीडिया को बताया है कि, कलेक्टर, डीएस और वहां प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में पेपर सील खुलता है। राजकोट में भी इसी तरीके से खुला है। घटना के ३ दिन बाद इस प्रकार की बातें करने वाले लोगों को पूछना चाहता हूं कि, पहले दिन आपको क्या सांप सूंघ गया था क्या आपने क्या जहर पी लिया था। यह लोगों को मैं कहना चाहता हूं कि संवेदना से काम करते है। आप तो हाथ पकड़कर नौकरी देते थे। यह मामले में जीतु वाघाणी ने आगे बताया है कि, पेपर लीक मामले में पहले में कदम उठाये है और भविष्य में कदम उठायेंगे। लेकिन कोई घटना नहीं बने तो क्या किया जा सकेगा। उम्मीदवारों को कहना चाहता हूं कि, यह अनियमितता हुई है, आरोपी उम्मीदवारों की गिरफ्तारी हुई है और जांच चल रही है। कोई भी प्रकार का पेपर लीक नहीं हुआ है। उल्टा जो लोग पेपर लीक होने की बात की है और उनके पास सबूत नहीं होगा तो वनरक्षक विभाग शिकायत करेगा। उल्लेखनीय है कि रविवार को ली गई वनरक्षक भर्ती की परीक्षा के दौरान ऊंझा तहसील के उनावा की मीरादातार सर्वोदय विद्यालय में ट्रस्ट के पुराने लेटरहेड के पीछे आंसर की लिखा कागज पकड़े जाने से पेपर लीक होने की आशंका से हंगामा हो गया है।

युवराजसिंह का वनरक्षक परीक्षा का पर्चा लीक होने का दावा, सबूत भी पेश किए

अहमदाबाद (ईएमएस) युवा नेता युवराजसिंह जाडेजा ने हाल ही में ली गई वनरक्षक की परीक्षा का पर्चा लीक होने का दावा करते हुए उसके सबूत आज मीडिया के समक्ष पेश किए। गुजरात में परीक्षा के पेपर लीक होने की खबरें आम हो गई हैं। आए दिन परीक्षा के पर्चे लीक होने की खबरें सामने आती रहती हैं। पढाई पूरी करने के बाद विद्यार्थी सरकारी नौकरी पाने के लिए पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देते हैं और बाद में पर्चा लीक होने के खबरें उन्हें परेशान कर देती हैं। हाल ही में वनरक्षक की परीक्षा ली गई थी। गत रविवार को ले गई इस परीक्षा का पर्चा लीक होने की खबरों के बाद राज्य के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने सफाई दी कि मेहसाणा जिले के उनावा में कॉपी केस हुआ हैं। वनरक्षक पर्चा लीक मामले में आज मीडिया के सामने युवराजसिंह जाडेजा ने सरकार पर कड़े प्रहार किए। जाडेजा ने कहा कि शिक्षा मंत्री वाघाणी ने इस मामले में सबूत मांगे थे, जो आज मैं पेश कर रहा हूं। वनरक्षक परीक्षा का पर्चा सोशल मीडिया के जरिए वायरल किया गया था और ये पेपर चालू परीक्षा के दौरान फोरवर्ड किया गया था। वनरक्षक परीक्षा का समय दोपहर 12 से 2 बजे का था और उसी दौरान पेपर वॉट्सएप के जरिए दूसरे ग्रूप में दोपहर 1.15 बजे वायरल किया गया था। जिस व्यक्ति ने पर्चा वायरल किया था, उसका भी नंबर हमारे पास मौजूद हैं। सरकार अब यह स्पष्ट करे कि यह पेपर लीक का मामला है या अनियमितता का? युवराजसिंह ने कहा कि वनरक्षक की परीक्षा पूर्ण होते ही शिक्षा मंत्री ने बयान दिया कि पेपर लीक नहीं हुआ है, बल्कि एक कॉपी केस हुआ हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि अगर किसी के पास कोई पेपर लीक होने का कोई प्रमाण है तो हम इस मामले में कार्यवाही करेंगें। युवराजसिंह ने कहा कि आज हम सोशल मीडिया के प्रमाण पेश कर रहे हैं।

सरकार ने चुनाव से डरकर नहीं की तापी-पार-नर्मदा रिवरलिंक योजना स्थगित : गणपत वसावा

अहमदाबाद (ईएमएस) तापी-पार-नर्मदा रिवरलिंक परियोजना को लेकर राज्य के पूर्व मंत्री गणपत वसावा ने बड़ा बयान दिया हैं। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों से डरकर केन्द्र सरकार ने इस योजना को स्थगित नहीं किया। गणपत वसावा ने कहा कि तापी-पार-नर्मदा रिवरलिंक परियोजना की प्रक्रिया वर्ष 1980 में शुरू की गई थी और उस वक्त केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने जारी वर्ष के बजट में लिंक परियोजना के लिए प्रावधान किया है, जिसके बाद आदिवासी क्षेत्र में इसका विरोध शुरू हो गया हैं। इस मुद्दे पर गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की अध्यक्षता में आदिवासी समाज के नेताओं के साथ बैठक हुई थी। बीते दिन दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ भी इस मुद्दे पर बैठक हुई थी। जिसमें केन्द्र सरकार ने फिलहाल इस परियोजना को स्थगित करने का फैसला किया हैं। वसावा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा इस संदर्भ में श्वेत पत्र जारी करने की मांग की जा रही है, परंतु हमें अपनी सरकार पर पूर्ण भरोसा हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नर्मदा डैम के विस्थापितों की हालत क्या थी? इससे सभी कोई वाकिफ हैं। भाजपा का कोई भी ऐसा कोई काम नहीं करता, जिससे लोगों में आक्रोश पैदा हों। गणपत वसावा ने कहा कि भाजपा कोई भी चुनाव से डरती नहीं हैं। दूसरी ओर राज्य सरकार के मंत्री नरेश पटेल ने कहा कि तापी-पार-नर्मदा रिवरलिंक परियोजना से कोई भी आदिवासी विस्थापित न हो इसके लिए उनके हित में इसे योजना को स्थगित करने का फैसला किया हैं।

गुजरात में फिर पुलिस ग्रेड-पे का मुद्दा

सस्पेंड कॉन्स्टेबल नीलम मकवाणा की खबर पूछने के लिए पहुंचे हार्दिक-जिग्नेश

पुलिस के आंदोलन को हार्दिक और जिग्नेश का समर्थन

अहमदाबाद, २९ मार्च।

गुजरात में फिर पुलिस ग्रेड-पे का मुद्दा चर्चा में आया है। गत सप्ताह में सस्पेंड की गई पुलिस कॉन्स्टेबल नीलम मकवाणा पिछले ८ दिन से धरने पर बैठी है। उल्लेखनीय है कि, ग्रेड-पे का मुद्दा पूरे राज्य के पुलिस कर्मचारियों से संबंधित होने पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से उनको समर्थन मिल रहा है। अब कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल और निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी नीलम मकवाणा से मिलने के लिए सिविल अस्पताल पहुंचे थे और पुलिस कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन दिया। इस मामले में हार्दिक पटेल सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि, पिछले कई दिनों से गुजरात में पुलिस कर्मचारियों के ग्रेड-पे के मुद्दे पर आंदोलन कर रहे हैं और सरकार ने आंदोलन को रोकने के लिए और दो महीने में योग्य निराकरण लाने के लिए एक कमेटी का गठन किया था लेकिन आज दिन तक योग्य निराकरण नहीं आया।

आठ दिन से उपवास कर रही पूर्व कॉन्स्टेबल नीलम मकवाणा को मिलने के लिए सिविल अस्पताल गये थे, लेकिन पुलिस अधिकारियों ने उनको मिलने नहीं दिया। मैं और जिग्नेश मेवाणी ने पुलिस कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन दिया है। उल्लेखनीय है कि, पुलिस ग्रेड-पे के लिए लड़ रहे पुलिस कर्मचारियों को चूरन देकर रवाना कर दिया हो ऐसा माहौल बन गया। कुछ दिन पहले नीलम मकवाणा गांधीनगर सत्याग्रह शिविर में आंदोलन पर बैठे थे और वहां से भी उनको हटा दिया गया और उनके विरूद्ध कार्रवाई करके साबरमती जेल भेजा गया। यह महिला पुलिस कर्मचारी ग्रेड-पे के आंदोलन के समर्थन में रही दूसरी बार उपवास पर बैठे थे और रविवार को तबियत बिगड़ने पर उनको उपचार के लिए सिविल भेजा गया। जहां मंगलवार को हार्दिक पटेल और जिग्नेश मेवाणी उनको मिलने के लिए गये।

आगामी 3 दिन गर्मी दिखाएगी अपने कड़े तेवर, मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) यूं तो गुजरात में होली से पहले ही गर्मी की शुरुआत हो गई थी। हांलाकि बीच में कुछ राहत के बाद फिर एक गर्मी ने कड़े तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। आगामी दिनों में शरीर झुलसा देनेवाले गर्मी पड़ने से लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाएगा। मौसम विभाग ने आगामी 3 दिन राज्य में भयंकर गर्मी की संभावना व्यक्त करते हुए यलो अलर्ट जारी किया हैं। इस दौरान तापमान 41 डिग्री से 43 डिग्री के बीच रहने और लू की संभावना जताई हैं। उत्तर गुजरात और सौराष्ट्र में गर्मी का पारा बढ़ेगा। गर्म और सूखी हवा चलने से तापमान में वृद्धि होगी। जिसे देखते हुए अहमदाबाद और गांधीनगर शहर, बनासकांठा, साबरकांठा, पाटन, मेहसाणा जिले समेत सौराष्ट्र और कच्छ में यलो अलर्ट जारी किया गया हैं। दूसरी ओर डॉक्टरों ने गर्मी से बचने के लिए बेवजह घरों से बाहर नहीं निकलने की नसीहत दी हैं।

पेपर के समय ही अमन की मौत हुई

कक्षा में आने से लेकर अंतिम क्षण तक का विडियो सामने आया

बोर्ड की परीक्षा के दौरान क्लासरुम में कोई अनियमितता नहीं हो इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाये जाते है

अहमदाबाद, २९ मार्च।

गत दिन पूरे राज्य में बोर्ड की परीक्षा प्रारंभ हुई, विद्यार्थी जोश के साथ परीक्षा देने के लिए पहुंचे। लेकिन शाम होने पर एक ऐसा समाचार सामने आया, जिसमें विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों का उत्साह पहले ही दिन कम हो गया। कक्षा में परीक्षा देने के लिए आया एक मासूम जिंदगी की परीक्षा हार गया। अहमदाबाद की सीएल स्कूल में कक्षा-१२ कॉमर्स के विद्यार्थी अमन को चालू परीक्षा में हार्ट अटैक आया था। उपचार मिले इसके कुछ क्षण पहले ही इसकी मौत हुई थी। अब इसके चौंकाने वाले सीसीटीवी सामने आया है। विद्यार्थी की क्लास में कैसी हालत थी और यह किस तरीके से मौत हो गई यह पूरा मामला कैद हो गया। बोर्ड की परीक्षा के दौरान अब क्लासरुम में कोई अनियमितता नहीं हो इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाये जाते है। विद्यार्थियों के हित के लिए लगाये जाते सीसीटीवी में एक विद्यार्थी की मौत की अंतिम क्षण कैद हुई थी। गोमतीपुरा की एसजी पटेल हाईस्कूल का विद्यार्थी अमन आरीफ शेख का नंबर सीएल स्कूल में आया था। गत दिन वह पहला अकाउंट का पेपर देने के लिए कक्षा में पहुंचा था। दोपहर में तीन बजे पेपर होने से समय पर वह कक्षा में पहुंच गया था। ३.३४ मिनट पर इसे वोमिट जैसा लगने पर वह मैडम की परमिशन लेकर बाहर जाता है। जहां वह आधे घंटे के बाद वापस आता है। १५.५६ मिनट पर वह कक्षा में अपनी बेंच पर आकर बैठता है। इसके बाद भी इसे अच्छा नहीं लग रहा था, जिसकी वजह से वह बेंच पर सिर रखकर सो जाता है। करीब आधे घंटे सो जाने के बाद महिला सुपरवाइजर इसे उठाती है। अमन खड़ा होकर आचार्य की ऑफिस में जाता है। आचार्य ने विद्यार्थी की स्थिति देखकर ४.३८ बजे १०८ को फोन किया और ४.४५ पर १०८ एंबुलेंस परीक्षा केंद्र पर आ जाती है। ४.४५ मिनट पर वह खुद चलकर एंबुलेंस में जाता है वहां इसकी जांच की जाती है। यहां से इसे सरसपुर की शारदाबेन अस्पताल में ले जाते है। जहां उपचार के दौरान ही वह दम तोड़ देता है। अकाउंट का पेपर लिखने के लिए आया अमन को सपने में भी ख्याल नहीं था कि इसकी मौत हो जाएगी।

बिजली के मुद्दे पर किसानों को आंदोलन खत्म होने से राज्य सरकार मिली बड़ी राहत

अहमदाबाद (ईएमएस) कृषि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को लेकर विधानसभा से लेकर सड़क जारी आंदोलन खत्म होने से राज्य सरकार को बड़ी राहत मिली हैं। सरकार ने आज राज्य विधानसभा में किसानों को 8 घंटे लगातार बिजली आपूर्ति का आश्वासन दिया हैं। दरअसल कृषि क्षेत्र में 8 घंटे लगातार बिजली की मांग को लेकर एक और किसान आंदोलनरत थे, दूसरी ओर कांग्रेस ने इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपना रखा था। बनासकांठा के दियोदर में किसान 8 घंटे बिजली देने की मांग को लेकर पिछले 7 दिनों से प्रदर्शन कर रहे थे। आज भी बड़ी संख्या में किसान पावर स्टेशन से लेकर दियोदर एसडीएम कचहरी तक पांच किलोमीटर लंबी ट्रैक्टर रैली निकाली। जिसमें हजारों की संख्या में शामिल किसानों ने सरकार का कडा विरोध किया। दियोदर के एसडीएम ने किसानों को 8 घंटे बिजली आपूर्ति मुहैया कराने का लिखित में आश्वासन दिया हैं। एसडीएम से लिखित आश्वासन के बाद पिछले 7 दिनों से चल रहा किसानों का आंदोलन खत्म हो गया। दूसरी ओर गुजरात विधानसभा में राज्य सरकार ने किसानों को 8 घंटे पर्याप्त बिजली आपूर्ति का ऐलान किया हैं। विधानसभा में ऊर्जा मंत्री कनु देसाई ने यह घोषणा करते हुए बताया कि उद्योगों की बिजली आपूर्ति में 500 मेगवाट कटौती की जाएगी और इसकी उन्हें जानकारी दे दी गई। 10 दिन के लिए राज्य में बिजली की किल्लत का उल्लेख करते हुए कहा कि आज सभी 8 जोन में बिजली आपूर्ति की गई हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगों में बिजली कटौती का सीधा फायदा किसानों का मिलेगा। बिजली आपूर्ति की मांग पूरी होने से किसानों ने अपना आंदोलन समेट लिया हैं। किसानों का आंदोलन खत्म होने से चुनाव से पहले राज्य सरकार को बड़ी राहत मिली हैं।

उत्तर प्रदेश में इलाज करा थकीं तो सूरत आईं शांति

सूरत, २९ मार्च।

अब उत्तर प्रदेश के जौनपुर की महिला का घुटना बदल कर स्मीमेर के डॉक्टरों ने उसे चलन लायक बना दिया। महिला का घुटना पूरी तरह खराब हो चुका था, जिससे वह चल-फिर नहीं पा रही थी। महिला ने निशुल्क इलाज के लिए स्मीमेर के डॉक्टरों का आभार माना है। महिला के एक पैर का घुटना बदलने के बाद दूसरे पैर का भी इलाज शुरू किया गया है। सामान्य परिवार की ५८ वर्षीय शांति पाल वर्षों से घुटने की असहाय पीड़ा से परेशान थी। उत्तर प्रदेश में अलग अलग डॉक्टर से को दिखाने के बाद कोई फर्क नहीं पड़ा। आखिरकार सूरत के पांडेसरा में रह रही उनकी बेटी ने उन्हें यहां बुला लिया। किसी ने उन्हें स्मीमेर अस्पताल में इलाज करवाने की सलाह दी। शांति स्मीमेर पहुंच गईं। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद कहा कि घुटना बदलना पड़ेगा। इसके बिना इलाज संभव नहीं है। महिला के एक्स-रे की जांच में पता चला कि दोनों पैर के घुटने के पास पैर की हड्डी मुड़ी हुई है। ऑर्थो विभाग के हेड डॉ. जनक राठौड़ और उनकी टीम ने महिला के परिवार से बातचीत करके रिप्लेसमेंट की तैयारी शुरू की। डॉक्टरों ने दूसरे पैर में भी रिप्लेशमेंट की तैयारी की है। वर्षों पुराने दर्द से मुक्ति मिलने पर महिला ने हाथ जोड़कर ऑर्थो के डॉ. जनक राठौड़ का आभार माना। महिला ने कहा कि चलने, टॉयलेट जाने और दूसरी मामूली काम करने में बहुत दर्द होता था। मां कार्ड के तहत रिप्लेसमेंट किया गया।

एमएसडीई ने अपनी महिला कर्मचारियों के लिए स्किल इंडिया सेल्फ-डिफेंस ट्रेनिंग वर्कशॉप की शुरूआत की; अन्य मंत्रालयों और विभागों को लक्षित करके इसे बढ़ाने का लक्ष्य

मार्च, 2022, नई दिल्ली: माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजनरी कार्यक्रम 'मिशन कर्मयोगी' के अनुरूप, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने आज पांच दिवसीयसेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग - ठमेरी सुरक्षा, मेरी जिम्मेदारीठ का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्पोर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन, फिटनेस एंड लेज़र स्किल्स काउंसिल (एईंथ-एण) द्वारा किया गया है और इसमें 50 से अधिक महिलाओं की भागीदारी देखी गई। श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'मिशन कर्मयोगी' एक अनूठी पहल है जो सरकारी कर्मचारियों की सोच और दृष्टिकोण को आधुनिक बनाने के साथ-साथ क्षमता निर्माण पर केंद्रित है।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने इस तरह की वर्कशॉप के महत्व को समझाते हुए कहा,ठमहिलाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस सेल्फ डिफेंस प्रोग्राम के साथ, हम महिलाओं को किसी भी तरह के हमले या खतरे से खुद को बचाने के लिए ऐसे प्रशिक्षण मॉडयूल में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करने की आशा करते हैं। मंत्रालय ऐसे प्लेटफॉर्म स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है जहां महिलाएं सेल्फ डिफेंस विशेषज्ञों से अपना बचाव करना सीख सकती हैं।

WAPTAG 31 मार्च से 2 अप्रैल तक गांधीनगर में वाटर एक्सपो का आयोजन करेगा

एक्सपो में दुनिया भर के 220 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। कौन जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन के क्षेत्रों में नवीनतम तकनीक का प्रदर्शन करेगा।

अहमदाबादः वाटर प्यूरीफिकेशन एंड ट्रीटमेंट एसोसिएशन ऑफ गुजरात **(WAPTAG)**, जल शोधन और उपचार उद्योग में अग्रणी संघ, महात्मा मंदिर, गांधीनगर में 31 मार्च से 2 अप्रैल तक **WAPTAG** वाटर एक्सपो 2022 का आयोजन कर रहा है। **WAPTAG** वाटर एक्सपो 2022 श्रृंखला का छठा चरण है जो देश में सबसे बड़ा, सबसे उन्नत, अद्वितीय और समावेशी जल उद्योग प्रदर्शनी होने जा रहा है और इसमें प्रमुख उद्योग खिलाड़ी पानी और अपशिष्ट जल के क्षेत्र में नवीनतम वैश्विक तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे। प्रबंध। कोविड -19 महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद एक्सपो हो रहा है और इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

``**WAPTAG** वाटर एक्सपो 2022 जल शोधन और अनुसंधान उद्योगों के लिए एक स्थल है। उद्योग के सबसे बड़े नामों सहित भारत और विदेशों के 220 से अधिक प्रदर्शक वाटर एक्सपो 2022 का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं, जो नवीनतम तकनीक को प्रदर्शित करने और देखने और विश्व स्तर पर अपने ब्रांड को बढ़ावा देने का एक अनूठा अवसर है। हम देश और विदेश से बड़ी संख्या में **B2B** आगंतुकों सहित 10,000 से अधिक आगंतुकों की उम्मीद करते हैं, ''अशित दोशी, अध्यक्ष, **WAPTAG** ने कहा।

यौन उत्पीड़न रोकने के लिए पुलिस की अनूठी पहल

मोबाइल पर पोर्न कंटेन्ट शेयर करने वाले को ढूंढने के लिए डिजिटल तलाशी

यह ऑपरेशन के तहत पहला केस दर्ज हुआ : अश्लील सामग्री शेयर करना और फैलाने पर छीरी में तीन की गिरफ्तारी

सूरत, २९ मार्च।

किशोरी पर हो रहे यौन उत्पीड़न रोकने के उद्देश्य से वलसाड पुलिस ने एक अनूठी पहल की शुरूआत की है। वलसाड पुलिस ने मोबाइल पर पोर्न कंटेन्ट शेयर करते लोगों को ढूंढने के लिए डिजिटल तलाशी अभियान शुरू किया है। इतना ही नहीं यह ऑपरेशन के तहत पहला केस दर्ज किया गया और अश्लील सामग्री शेयर करना और फैलाने के लिए वापी शहर निकट छीरी में तीन लोगों की गिरफ्तारी की है। पुलिस के बताये अनुसार डिजिटल तलाशी में परिवार रहते हो ऐसे क्षेत्र में स्थित चोल या बड़ा आवास सोसाइटियों की मुलाकात लेना शामिल है। पुलिस की टीम निवासियों की पूछताछ करती है यदि उनको कोई व्यक्ति का व्यवहार या गतिविधि संदिग्ध लगे तो ऐसे लोगों के मामले में विशेष जानकारी लेना, उनके मोबाइल की विशेष करके अश्लील सामग्री के लिए पूरी जांच की जाती है। वलसाड पुलिस के अधीक्षक राजदीपसिंह झाला ने इस मामले में बात करते हुए कहा कि हमने डिजिटल तलाशी शुरू किया क्योंकि किशोरी लड़कियों पर यौन उत्पीड़न के अधिकतर केस की जांच बताता है कि अपराधी बाल पोर्नोग्राफिक सामग्री देखने के आदी है। यह नए ऑपरेशन के तहत हमने लोगों को उनके मोबाइल फोन बताने के लिए कहेंगे। हमने यह नियमित तलाशी ऑपरेशन तथा कोई व्यक्ति की संदिग्ध हरकत मामले की निश्चित जानकारी के आधार पर किया गया ऑपरेशन दोनों के दौरान चेक करेंगे। यह ऑपरेशन के तहत रविवार को जबकि पुलिस छीरी में फूट पेट्रोलिंग द्वारा शराब या हथियार के लिए घरों की जांच कर रही थी, तब टीम को कई लोग अश्लील सामग्री शेयर कर रहे होने की जानकारी मिली थी। जिसके आधार पर पुलिस ने जांच करके तीन आरोपी बापन टुडु (२०), सुमन उर्फ तापस टुडु (२१) और जीवन हंसाडा (१९) की गिरफ्तारी की थी। इसके खिलाफ आईपीसी और आईटी एक्ट की संबंधित धारा के तहत अपराध दर्ज किया गया।

पीपीएफएएस म्यूचुअल फण्ड ने अहमदाबाद में अपनी शाखा खोली

अहमदाबाद, 29 मार्च 2022 : पीपीएफएएस म्यूचुअल फण्ड ने आज अहमदाबाद में अपनी पहली शाखा खोलने की जानकारी दी। यह शाखा ऑफिस संख्या 607, डी और सी डायनेस्टी प्लाजा, सीजी रोड, स्टेडियम सर्किल के निकट, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380009 में स्थित है। ईंप्स्दहाब्म्दस के मनी भाई के नाम से लोकप्रिय, आईएफए मिलिंद शाह ने इस शाखा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ अहमदाबाद में विभिन्न एमएफडी भी उपस्थित थे। मुंबई में प्रधान कार्यालय के अलावा, इस फण्ड हाउस की सात अन्य शाखाएं भी हैं जिनके माध्यम से यह अपने निवेशकों और साझीदारों को सेवाएं प्रदान करता है।

पीपीएफएएस म्यूचुअल फण्ड के चेयरमैन और सीईओ, नील पराग पारिख ने कहा कि, ''गुजरात हमेशा ही हमारा फोकस मार्केट रहा है और इसने हमारे व्यवसाय में लगातार सपोर्ट किया है। हमें अपने निवेशकों और सहयोगियों को ज्यादा प्रभावकारी और त्वरित सेवा देने के लिए ग्राहकों के करीब पहुँचने की ज़रुरत थी। अहमदाबाद में शाखा खोलना उसी दिशा में एक कदम है। मुझे आशा है हमारे लिए यह सकारात्मक गति बनी रहेगी। हम पीपीएफएएस परिवार में और ज्यादा निवेशकों और सहयोगियों को शामिल करने के लिए अपनी पहुँच का आगे और विस्तार कर सकते हैं।''

फिलहाल यह फण्ड चार योजनाओं की पेशकश करता है और इसके द्वारा फरवरी 2022 के आँकड़ों के अनुसार 22,702.31 करोड़ रुपये का कुल प्रबंधनाधीन आस्तियों (एयूएम) का प्रबंधन किया जाता है।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न निर्माण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, अभि. विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008 द्वारा निम्नलिखित विवरण अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है.

अ. क्र.	निविदा सूचना क्र. एवं तिथि	कार्य एवं स्थान	कार्य की अनुमानित लागत रु. में	ईएमडी रु.
1	बीसीटी/21-22/291 दि. 28.03.2022	चर्चगेट – विरार अनुभाग :- एडीईएन(टी/एस) लोअर परेल तथा एडीईएन (टी/एन) बोरीवली अनुभाग अंतर्गत ट्रैक डिवाइडर /फेंसिंग प्रदान करना.	3,40,29,650.85	3,20,000
2	बीसीटी/21-22/292 दि. 28.03.2022	चर्चगेट – विरार अनुभाग :- एडीईएन (टी/एन) बोरीवली अनुभाग में अतिरिक्त वॉटरवे के जरिये ड्रेनेज सिस्टम का सुधार तथा आरसीसी बॉक्स /पाइप के जरिये ब्रिजेस का पुनर्निर्माण.	7,89,34,349.43	5,44,700
3	बीसीटी/21-22/293 दि. 28.03.2022	चर्चगेट – विरार अनुभाग :- जोगेश्वरी – राम मंदिर - एमसीजीएम के लिये सीयूएल नं. 45 होते हुये पश्चिम रेलवे साइड नेस्को गेट से सीयूएल नं. 46 तक नेस्को नाला का प्रस्तावित चौड़ीकरण और ट्रेनिंग.	11,71,02,467.04	7,35,500

क्र. 1 एवं 2 हेतु जमा करने की तिथि एवं समय : 22.04.2022 को 15.00 बजे तक तथा अ. क्र. 3 हेतु : 06.05.2022 को 15.00 बजे तक. अ.क्र. 1 एवं 2 के लिये खुलने की तिथि : 22.04.2022 को 15.30 बजे तक तथा अ. क्र. 3 हेतु : 06.05.2022 को 15.30 बजे तक. निविदा दस्तावेज शुल्क (अप्रतिदेय), ईएमडी, योग्यता मापदंड, समान प्रकार के कार्य, विस्तृत निविदा शर्तों युक्त कार्य के विस्तृत स्वरुप की जानकारी के लिये कृपया www.ireps.gov.in का अवलोकन करें. मैन्युअल प्रस्तावों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा. 0835

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95